संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 178
पृष्ठ 8
बुधवार
19 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पिगमेंटेशन की समस्या को दूर...

विचार- आखिर किसे लात मारेंगे गडकरी?

खेल- खिताब बचाने की चुनौती के लिए...

अनेकता में एकता की ताकत भारत के भीतर ही निहित : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि प्रयागराज में गंगा यमुना एवं अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर आयोजित महाकुंभ ने आज के बिखराव भरे विश्व में भारत की एकता एवं राष्ट्रीय चेतना का विराट प्रदर्शन किया है और हमारा दायित्व है कि अनेकता में एकता को हम बढ़ाते रहें एवं राष्ट्रीय चेतना को जागृत रखें। श्री मोदी ने लोकसभा में मंगलवार को शून्यकाल में महाकुंभ पर एक वक्तव्य दिया। श्री मोदी ने कहा, "आज मैं इस सदन के माध्यम से कोटि–कोटि देशवासियों को नमन करता हूं, जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार के, समाज के सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देशभर के श्रद्धालुओं को, उत्तर प्रदेश की जनता विशेषतौर पर प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं।" उन्होंने कहा, "हम सब जानते हैं, गंगा जी को धरती पर लाने के लिए एक भगीरथ प्रयास लगा था, वैसा ही महाप्रयास इस महाकुंभ के भव्य आयोजन में भी हमने देखा है। मैंने लाल किले से सबका प्रयास के महत्व पर जोर दिया था। पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। ये जनता जनार्दन का, जनता जनार्दन के संकल्पों के लिए जनता जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था।" प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष, अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हमने महसूस किया था कि कैसे देश एक हजार वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद, महाकुंभ के आयोजन ने हम सबके इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की ये सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है। उन्होंने काह कि मानव जीवन के इतिहास में ऐसे मोड़ आते हैं जो सदियों तक याद किये जाते हैं, ऐसे पल आते हैं जो देश को नयी दिशा देने और जागृति लाने का काम करते हैं। भक्ति आंदोलन में भारत की आध्यात्मिक चेतना फिर से जागृत हुई थी। स्वामी विवेकानंद का शिकागो में भाषण ने भारतीयों के मन में स्वसंस्कृति के प्रति स्वाभिमान एवं गौरव का भाव जगा दिया था। प्रयागराज महाकुंभ भी ऐसा ही एक महापड़ाव था जिसमें देश में अपनी संस्कृति के प्रति गौरव एवं स्वाभिमान के भाव को जागृत देखा। श्री मोदी ने कहा, "ये उमंग उत्साह यहीं तक सीमित नहीं रहा। पिछले हफ़्ते मैं मॉरीशस में था और मैंने महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम से पवित्र जल लाया था। जब इसे मॉरीशस के गंगा तालाब में मिलाया गया तो आस्था एवं उत्साह का माहौल देखते हुए बन रहा था। नज़ारा देखने लायक था। इससे पता चला कि हमारी परंपरा एवं संस्कृति का जश्न मनाया जा रहा है।" उन्होंने कहा कि वह देख रहे हैं कि पीढ़ी दर पीढ़ी संस्कार कैसे आगे जा रहे हैं। युवा पीढ़ी श्रद्धाभाव से महाकुंभ के उत्सव से जुड़ी रही। समाज में विरासत को लेकर गर्व का भाव बढ़ता है तो ऐसी तस्वीरें बनतीं हैं जो महाकुंभ में दिखायीं दीं। अपनी विरासत से जुड़ने की भावना एक पूंजी है। उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ से अनेक अमृत निकले हैं। एकता इसका पवित्र प्रसाद है। देश के कोने कोने से आये लोग संगम में स्नान करके एक हो गये। अलग अलग बोली भाषा बोलने वाले संगम तट पर हर हर गंगे बोल कर एक हो गये। छोटे बड़े का कोई भेद नहीं था। यह भारत का बहुत बड़ा सामर्थ्य दिखायी दिया। इसने दिखाया कि एकता का बहुत सशक्त तंत्र देश के भीतर ही रचा बसा है जो उसे भेदने के सारे प्रयास को ही भेद देता है। प्रधानमंत्री ने कहा, "विश्व में आज बिखराव की स्थितियां हैं और इस बीच भारत में एकजुटता का विराट प्रदर्शन हमारी बहुत बड़ी ताकत है। हमारा दायित्व है कि हम अनेकता में एकता को हम समृद्ध करते रहें।" उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ से प्रेरणाएं मिलीं हैं। देश में अनेक छोटी बड़ी नदियां हैं। इस बारे में जरूर सोचना चाहिए। नदियों की साफ सफाई को बल मिलेगा।

गजनवी के भतीजे पर योगी का प्रहार

संभल में लगने वाला 'नेजा मेले' अब से नहीं लगेगा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के प्रयासों से संभल का सच तो सामने आ ही रहा है साथ ही संभल में विदेशी आक्रांताओं की याद में लगने वाला मेला भी अबसे नहीं लगा करेगा। हम आपको बता दें कि संभल में हर साल मसूद गाजी की याद में मेला लगता था जिसमें बड़ी संख्या में मुसलमान भाग लिया करते थे। मसूद गाजी वही आक्रांता है जिसने सोमनाथ मंदिर को लूटा था। संभल जिले में प्रशासन और पुलिस ने महमूद गजनवी के भांजे और सैन्य कमांडर सैयद सालार मसूद गाजी की याद में वार्षिक 'नेजा मेले' के आयोजन को अनुमति देने से इंकार कर दिया है जिसको लेकर राज्य की राजनीति गर्मा गयी है। अखिलेश यादव तो योगी सरकार के इस निर्णय से बौखला गये हैं लेकिन प्रशासन अपने फैसले पर अडिग है। हम आपको बता दें कि संभल पुलिस ने 'नेजा मेला' समिति से स्पष्ट किया है कि 'देश को लूटने वाले' व्यक्ति की याद में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने मेले के आयोजन को देशद्रोह बताया है। हम आपको बता दें कि 'नेजा मेला' कमेटी के सदस्य सोमवार को कोतवाली में अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) श्रीश चंद्र से मिले, जहां अधिकारी ने साफ शब्दों में सालार मसूद गाजी के नाम पर मेले के आयोजन को अनुमति देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कमेटी के लोगों से स्पष्ट किया कि इतिहास गवाह है वह (मसूद गाजी) महमूद गजनवी का सेनापति था, जिसने सोमनाथ को लूटा और कत्लेआम किया। अधिकारी ने बताया कि किसी लुटेरे की याद में किसी भी तरह का मेले का आयोजन नहीं होगा। वहीं नगर 'नेजा मेला' कमेटी के अध्यक्ष शाहिद हुसैन मसूरी ने पत्रकारों से कहा कि यहां पर सैंकड़ों वर्ष से मेले का आयोजन किया जाता है लेकिन इस वर्ष पुलिस अधिकारियों ने यह कहते हुए अनुमति देने से इंकार कर दिया कि सालार मसूद गाजी आक्रांता थे और उनकी याद में मेले का आयोजन नहीं होगा।

हमारी सरकार ने तेलंगाना में आरक्षण बढ़ाने का निभाया वादा : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि उनकी पार्टी की सरकार ने तेलंगाना में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण की सीमा की 50 प्रतिशत की दीवार को पार कर ऐतिहासिक कम कर दिया है। श्री गांधी ने कहा "कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा पूरा कर दिया है। राज्य में वैज्ञानिक तरीके से हुई जातिगत गिनती से मिली ओबीसी

समुदाय की वास्तविक संख्या स्वीकार की गई और शिक्षा, रोजगार और राजनीति में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा में 42 प्रतिशत आरक्षण का बिल पारित किया गया है।" उन्होंने कहा "सामाजिक न्याय की दिशा में यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है जिसके द्वारा राज्य में आरक्षण पर से 50 प्रतिशत की दीवार भी गिरा दी गई है। जातिगत सर्वेक्षण के डेटा से हर समुदाय के सामाजिक और आर्थिक हालात का विश्लेषण कर ऐसी नीतियां बनाई जाएंगी जिनसे सबकी बेहतरी सुनिश्चित हो। तेलंगाना सरकार ने इसके लिए एक इंडिपेंडेंट एक्सपर्ट ग्रुप भी बनाया है।" श्री गांधी ने कहा "मैं लगातार कह रहा हूं कि एक्सरे– यानी जातिगत जनगणना – से ही पिछड़े और वंचित समुदायों को उनका उचित हक़ मिल सकता है। तेलंगाना ने रास्ता दिखा दिया है, यही पूरे देश की ज़रूरत है। भारत में जाति जनगणना हो कर रहेगी, हम करवाकर रहेंगे।"

सक्षम और दिव्यांग उम्मीदवार से अलग यूपीएससी परीक्षा नहीं ले सकते, पूजा खेडकर केस में कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आईएएस प्रोबेशनर अधिकारी पूजा खेडकर मामले में कहा कि सक्षम और दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए अलग–अलग परीक्षा नहीं ली जा सकती। पूजा खेडकर पर फर्जी तरीके से सिविल सेवा परीक्षा में दिव्यांग और ओबीसी कोटे का फायदा लेने और धोखाधड़ी करने का आरोप है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने पूजा खेडकर की याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 15 अप्रैल की तारीख तय की है। पूजा खेडकर के वकील ने दिल्ली सरकार के हलफनामे का जवाब देने के लिए कुछ समय देने की मांग की थी, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल की तारीख तय की। साथ ही अदालत ने 15 अप्रैल तक ही पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से राहत दे दी। दिल्ली सरकार की तरफ से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने पूजा खेडकर को राहत देने का विरोध किया और कहा कि उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने की जरूरत है ताकि उस मध्यस्थ के बारे में पता चल सके, जिसकी मदद से उन्होंने फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाया। एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि दिव्यांग प्रमाण पत्र की वजह से पूजा खेडकर को सिविल सेवा परीक्षा देने का अतिरिक्त मौका मिला। पूजा खेडकर की तरफ से वरिष्ठ वकील बीना माधवन अदालत में पेश हुईं। उन्होंने कहा कि हम जांच एजेंसी के साथ पूछताछ में सहयोग के लिए तैयार हैं। पूजा खेडकर पर गलत जानकारी देकर आरक्षण का फायदा लेने का आरोप है। हालांकि पूजा खेडकर ने अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत बताया है। पूजा खेडकर पर आरोप है कि उन्होंने ट्रेनिंग पीरियड के दौरान सरकारी आवास, स्टाफ, गाड़ी और दफ्तर में अलग केबिन की मांग की। अपनी निजी ऑडी कार पर लाल–नीली बत्ती और महाराष्ट्र सरकार का लोगो लगाया।

साय ने मोदी से की मुलाकात, 30 मार्च को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरे की रूपरेखा साझा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और उनके 30 मार्च को राज्य के प्रस्तावित दौरे की रूपरेखा साझा की। प्रधानमंत्री के साथ बैठक में श्री साय ने बस्तर विकास के मास्टर प्लान का खाका प्रस्तुत किया, जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को बुनियादी सुविधाओं, उद्योगों और पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की रूपरेखा शामिल थी। श्री मोदी ने इस योजना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। श्री साय ने प्रधानमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सुरक्षा बलों की संगठित रणनीति एवं जनभागीदारी के चलते नक्सल प्रभावित इलाकों में तेजी से बदलाव आ रहा है। पुलिस और केंद्रीय बलों के संयुक्त प्रयासों से कई नक्सल गढ़ों में विकास की किरण पहुंची है, जिससे जनता का विश्वास सरकार की योजनाओं में और मजबूत हुआ है। सरकार का अब पूरा ध्यान बस्तर को नए औद्योगिक और आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करने पर है, जिससे युवाओं को रोजगार और आदिवासी समुदायों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। मुख्यमंत्री ने राज्य की नई औद्योगिक नीति और निवेशकों की बढ़ती रुचि पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि निवेश को आसान बनाने के लिए सरकार ने सिंगल विंडो क्लीयरेंस, टैक्स छूट और अनुकूल नीतियों को लागू किया है, जिससे बड़ी कंपनियां छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया जा रहा है, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रधानमंत्री को बस्तर की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बस्तर के महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। लघु वनोपज, जैविक कृषि, हथकरघा, बांस उद्योग और हस्तशिल्प को प्रोत्साहित कर महिलाओं को न केवल आजीविका के साधन मिल रहे हैं, बल्कि वे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही हैं।

इसके अलावा, स्टार्टअप्स और छोटे उद्योगों के माध्यम से बस्तर की महिलाओं को उत्पादन और विपणन से जोड़ने की पहल की जा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनकर राज्य की आर्थिक प्रगति में योगदान दे सकें। बैठक के दौरान श्री साय ने श्री मोदी के 30 मार्च को प्रस्तावित छत्तीसगढ़ दौरे की रूपरेखा साझा की। इस दौरान प्रधानमंत्री राज्य में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री ने इस दौरे को लेकर की जा रही तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की।

लालू प्रसाद यादव की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी ने नौकरी के बदले जमीन मामले में पूछताछ के लिए भेजा समन

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरी के बदले जमीन के मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रहीं। अब ईडी ने इस मामले में पूछताछ के लिए लालू प्रसाद को समन जारी किया है। ईडी ने लालू यादव को 19 मार्च

को पूछताछ के लिए बुलाया है। 76 वर्षीय लालू प्रसाद यादव को पटना में ईडी कार्यालय में पेश होना होगा। ईडी ने लालू यादव के परिवार के कई अन्य सदस्यों को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। जिनमें उनके दोनों बेटे तेज प्रताप यादव और तेजस्वी यादव शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समन के बावजूद लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्य ईडी के सामने पेश नहीं होंगे। ईडी ने बीते साल लालू यादव और उनके परिजनों के खिलाफ दिल्ली की अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में लालू प्रसाद यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी, उनकी बेटियों मीसा भारती और हेमा यादव का नाम भी बतौर आरोपी शामिल है। इससे पहले बीते महीने दिल्ली की एक अदालत ने भी राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेज प्रताप यादव और बेटी हेमा यादव को नौकरी के बदले जमीन मामले में समन जारी किया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू अदालत ने लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को भी समन जारी कर 11 मार्च को पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश दिया है। ईडी द्वारा धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामले में जो जांच की जा रही है, उसमें लालू प्रसाद यादव और उनके दोनों बेटों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। लालू प्रसाद यादव पर नौकरी के बदले लोगों से जमीन लेने या उनके परिवार को कम दाम पर बेचने के लिए दबाव बनाने का आरोप है। यह घोटाला उस समय हुआ, जब साल 2004–2009 तक लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे।

नीतीश ने 7166.06 करोड़ की जलापूर्ति योजनाओं का किया शुभारंभ

पटना,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 'हर घर नल का जल' निश्चय योजना के तहत 7166 करोड़ छह लाख रुपये की जलापूर्ति योजनाओं का शुभारंभ किया और अधिकारियों को इस योजना का काम समय से पूर्ण करने का निर्देश दिया। श्री कुमार ने मंगलवार को यहां एक, अण्णे मार्ग स्थित 'संकल्प' में रिमोट के माध्यम से 'हर घर नल का जल' निश्चय के तहत 7166 करोड़ छह लाख रुपये लागत की जलापूर्ति योजनाओं एवं भवन संरचनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। उन्होंने इस दौरान 83 करोड़ रुपये लागत की लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के मुख्यालय भवन का भी शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान निर्देश देते हुए कहा कि जिन योजनाओं का आज शिलान्यास किया गया है उसे ससमय पूर्ण करें। 'हर घर नल का जल' योजना का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से करते रहें। सभी चीजों का मेंटेनेंस हो। उन्होंने कहा, "हमलोगों का उद्देश्य है कि लोगों को नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, इसमें किसी प्रकार की परेशानी न हो।"

श्री कुमार को लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने बताया कि राज्य के लोगों को नियमित और निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित कराई जा रही है। पेयजल गुणवत्ता के राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप राज्य सरकार सभी ग्रामीण परिवारों को 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन की दर से जलापूर्ति कर रही है, जो राष्ट्रीय औसत से 16 लीटर अधिक है। मुख्यमंत्री को प्रधान सचिव ने बताया कि 'हर घर नल का जल' निश्चय के तहत निर्मित सभी जलापूर्ति योजनाओं का संचालन एवं रख–रखाव लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की 'हर घर नल का जल' योजना की प्रशंसा पूरे देश में हो रही है।

मुजफ्फरनगर के लिए गौरव की बात

एक ही गांव के 20 बने कांस्टेबल, 3 लड़कियां भी पहनेंगी यूपी पुलिस की वर्दी

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा परिणाम में मुजफ्फरनगर जिले से बड़ी संख्या में युवाओं का चयन हुआ है। मुजफ्फरनगर में शाहपुर क्षेत्र के सोरम गांव की प्रतिभाओं की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, इसी गांव की तीन लड़कियों समेत 20 युवाओं का एक साथ कांस्टेबल पद पर चयन हुआ है। गांव के प्रधान ने सभी चयनितों को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती का अंतिम परीक्षा परिणाम 13 मार्च को जारी हुआ था। इसमें एक के बाद एक युवाओं ने अपने पास होने की जानकारी साझा की। इसके बाद पता चला कि गांव के 20 युवक–युवतियां पुलिस भर्ती परीक्षा में पास हुए हैं, जिनमें तीन लड़कियां भी शामिल हैं। इससे गांव में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि कांस्टेबल पद पर इतने युवाओं के चयन के बाद तैयारी कर रहे बच्चों को और ऊर्जा मिलेगी। जिनको इस बार सफलता नहीं मिली, वे और मेहनत कर नौकरी पा लेंगे।

'इनका कांस्टेबल पद पर हुआ चयन'

सोरम से पुलिस में कांस्टेबल पद पर चयनित युवाओं में अविन्तका पुत्री गजेन्द्र सिंह, साक्षी पुत्री सतेन्द्र सिंह, स्वीटी पुत्री धर्मवीर सिंह, जितेन्द्र पुत्र राजकुमार सिंह, धर्मेन्द्र पुत्र किरनपाल, जितेन्द्र पुत्र जसबीर, सचिन पुत्र इन्द्रपाल, अक्षय पुत्र आदेश मास्टर, कार्तिक पुत्र अमित कुमार, आशीष पुत्र मनोज फौजी, तुषार पुत्र राजीव चौधरी, कमल पुत्र ओमपाल, प्रियांशु पुत्र रामकुमार, कार्तिक पुत्र सुरेन्द्र कश्यप, अंशुल पुत्र हरबीर सिंह, अक्षित पुत्र सतेन्द्र सिंह, विनीत पुत्र रविन्द्र सिंह, अक्षय पुत्र डा. नरेन्द्र, रिहान पुत्र रहीसुद्दीन, संदीप पुत्र वीरेन्द्र कुमार का चयन यूपी पुलिस में हुआ है।

बैंगन और गेहूं के बीच खेत में उगा रखी अफीम, लाखों की है कीमत, पुलिस संग अधिकारी हैरान

प्रयागराज। प्रयागराज में हंडिया के धोकरी कछार स्थित एक खेत में सोमवार की सुबह कोतवाल हंडिया ब्रजकिशोर गौतम की अगुवाई में पुलिस टीम ने छापामारी की तो खेत में अफीम के फूल और फल को लहलहाते देख सन्न रह गए। बैगन व गेहूं के बीच अफीम की फसल लहलहा रही थी। कछार में अफीम की खेती की खबर सुन ग्रामीणों को सहसा विश्वास नहीं हुआ। मौके पर हंडिया एसीपी सुनील सिंह, फूलपुर नायब तहसीलदार रविन्द्र कुमार, कानूनगो प्रमोद कुमार व हल्का लेखपाल राहुल बिंद, राकेश मौके पर मौजूद है। पुलिस की कार्रवाई अभी जारी है। गांव में गश्त के दौरान इंडिया पुलिस को जानकारी मिली कि धोकरी

कछार में अफीम की खेती की जा रही है। मामले में हंडिया कोतवाल ब्रजकिशोर गौतम खेतों के बीच से होते हुए खेत तक पहुंचे। पुलिस कछार में हो रही अफीम की खेती को देखकर दंग रह गई। सूचना फूलपुर उपजिलाधिकारी को कोतवाल हंडिया ने मोबाइल पर दी। सूचना पर फूलपुर नायब तहसीलदार रविन्द्र कुमार, कानूनगो प्रमोद कुमार, हल्का लेखपाल राहुल बिंद व राकेश के साथ मौके पर पहुंचे। मामले में पुलिस कार्रवाई में जुटी हैं। खेत मालिक हौसला प्रसाद पटेल मौके पर नहीं मिला है। पकड़ी गई अफीम की कीमत लाखों में बताई जा रही है। उतरांव के रेहथू गांव में बीते साल 17 मार्च को अफीम के 12 सौ पौधे व 13 सौ फल लगे हुए मिले थे। पौधे व फल ढोड का वजन 71 किलो 500 ग्राम था। इसकी बाजार में लगभग 80 लाख कीमत आंकी गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किया था। बीते साल 13 मार्च को हंडिया के नोनरा गांव में पुलिस ने अफीम की खेती किए जाने का खुलासा किया था। नोनरा गांव में विजय चंद्र मौर्य ने 10 बिस्वा जमीन में अफीम की खेती की थी श्मुखबिर खास से मिली सूचना के आधार पर थाना प्रभारी ब्रिज किशोर ने विशेष अभियान चलाकर अफीम की खेती का पर्दाफाश किया था।

गंगा किनारे पहले की तरह बनेंगे मंदिर-मठ और आश्रम, शर्तों संग पास होगा मानचित्र

प्रयागराज। गंगा किनारे बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के 500 मीटर दायरे में सामान्य निर्माण नहीं होंगे, लेकिन मंदिर, मठ और आश्रम बनाए जा सकेंगे। गंगा किनारे मंदिर, मठ और आश्रम का मानचित्र पूर्व की भांति शर्तों के साथ पास होगा। गंगा किनारे मंदिर, मठ और आश्रम निर्माण की शर्तों का जिक्र महायोजना में

किया गया है। जबकि गंगा किनारे बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में निर्माण पर कोई जिक्र नहीं है। ढाई दशक पुराने शासनादेश का हवाला देते हुए महायोजना–2031 में साफ लिखा है कि गंगा किनारे 200 मीटर दायरे में मंदिर, मठ और आश्रम के निर्माण कराए जा सकेंगे, लेकिन सीवर, जल निकासी आदि की व्यवस्था करनी होगी। शर्तों का उद्देश्य गंगा को प्रदूषण से बचाना है। महायोजना–2031 में गंगा किनारे 300 मीटर दायरे में हरित पट्टी भी विकसित करने की बात कही गई है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के मुख्य नगर नियोजक टीपी सिंह ने बताया कि गंगा किनारे 200 मीटर दायरे में मंदिर, मठ और आश्रम निर्माण का पुराना शासनादेश है। जबकि गंगा किनारे बाढ़ प्रभावित क्षेत्र के 500 मीटर दायरे में निर्माण पर न्यायालय ने रोक लगाई है, इसलिए इसका जिक्र महायोजना में नहीं है। गंगा किनारे सामान्य निर्माण का मामला एनजीटी में विचाराधीन है। एनजीटी का जो भी फैसला होगा, उसे लागू किया जाएगा। इंदिरा भवन स्थित प्रयागराज विकास प्राधिकरण में आजकल लोगों की आवाजाही बढ़ गई है। पीडीए के सातवें और आठवें तल पर कोई महायोजना–2031 की जानकारी लेने तो कोई अन्य जानकारी लेने के लिए पहुंच रहा है। इस समय पीडीए में आने वाले लोग सबसे अधिक जानकारी महयोजना–2031 की मांग रहे हैं। तकनीकी खराबी से पीडीए का पोर्टल कई दिन से बंद है। पोर्टल नहीं खुलने की वजह से लोग पीडीए के दफ्तर पहुंच रहे हैं। इंदिरा भवन के आठवें तल पर घूम रहे मीरापुर के राजीव शंकर ने बताया कि महायोजना–2031 की जानकारी के लिए पहले पोर्टल खोला। पोर्टल नहीं खुला तो पीडीए कार्यालय आना पड़ा। राजीव शंकर की तरह फाफामऊ के आशीष ने भी महायोजना–2031 और भू उपयोग परिवर्तन की जानकारी लेने के लिए पहले पोर्टल खोला। पोर्टल नहीं खुला तो यहां आना पड़ा। मुख्य नगर नियोजक ने बताया कि पोर्टल चालू होने पर महायोजना–2031 लोगों के लिए अपलोड किया जाएगा।

नेपाल में मायका, यूपी में ससुराल, बिहार में गैंग चला रही 23 साल की मैडम दीया

प्रयागराज। नाम मैडम दीया, नेपाल में मायका, उत्तर प्रदेश (यूपी) में ससुराल और बिहार में चलाती है अपराधियों का गैंग। पूर्णिया पुलिस ने 23 साल की दीया को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चोरी के पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। यूपी की रहने वाली दीया उर्फ मैडम दीया इन दिनों पूर्णिया में छिनतई गिरोह चला रही थी। चोरी का माल वह नेपाल में खपाती थी।

संगमनगरी के युवा ने डिजाइन की देश की पहली सुपर इलेक्ट्रिक कार, एक बार चार्ज करने पर 200 किमी तक चलेगी

प्रयागराज। संगमनगरी के युवा ने देश की पहली सुपर इलेक्ट्रिक कार डिजाइन की है। थंडर नाम वाली कार बनाने में सिर्फ 16 लाख खर्च हुए हैं। सर्वाधिक सस्ती सुपर कार होने का दावा है। बीटेक की पढ़ाई छोड़कर अभिषेक वैराग्य कार बनाने में जुट गए। चार साल में कार बनाकर पेश की है।

संगमनगरी के एक युवा ने देश की पहली इलेक्ट्रिक सुपर कार डिजाइन की है। थंडर नाम वाली इस कार के प्रोटोटाइप की लागत 16 लाख रुपये आई है। 80 किमी प्रति घंटा दौड़ने वाली इस मॉडल कार की असल रफ्तार 250 किमी प्रति घंटा तक जाएगी।

यह दुनिया की सबसे सस्ती सुपर कार होना का दावा भी है। इस कार का बाजार मूल्य 50 लाख तक रहने की संभावना है। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के इनोवेशन एवं इंक्यूबेशन हब और कॅश क्राई की ओर से दो दिवसीय स्टार्टअप समिट में शहर के अशोकनगर निवासी अभिषेक वैराग्य की डिजाइन सुपर कार ने टेक्नोक्रेट ही नहीं, कार निर्माता कंपनियों का भी ध्यान खींचा।

देश की पहली सुपर कार के मॉडल रूप को देखकर दूसरी कंपनियों के प्रमोटर भी तकनीकी बारीकियों समझते–पूछते रहे। थंडर नाम की इस कार को डिजाइन करने वाले अभिषेक ने अपनी कंपनी का नाम एवी आटोमोटिव्स रखा है। वह बताते हैं कि एक बार चार्ज हो जाने पर इसकी बैट्री 200 किमी तक चलेगी। अभी इसकी स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा है, लेकिन कुछ बदलाव के साथ इसकी रफ्तार 250 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की उम्मीद है।

बीटेक की पढ़ाई छोड़ जुटे कार बनाने में

शहर के सेंट जोसेफ कॉलेज से 12वीं पास अभिषेक ने वर्ष 2018 में दिल्ली के महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी में बीटेक (मैकेनिकल) में दाखिला लिया था। वहां मन नहीं रमा और एक साल बाद ही पढ़ाई छोड़कर घर आ गए। 2019 से सुपर कार का आइडिया आया और अपने भाई अखिलेश की मदद से इसकी डिजाइन पर काम शुरू किया।

करीब चार साल में डिजाइन बनी। लागत घटाने के लिए पुराने मैटेरियल का भी इस्तेमाल किया। प्रोटोटाइप कार बनाने में 16 लाख लागत आई है। यह पैसे दोस्तों और परिवार से जुटाए। अभिषेक के पिता कुलदीप कुमार एजी ऑफिस में सीनियर अकाउंट अफसर हैं, जबकि मां सुषमा गृहणी हैं।

सस्ती सुपर कार उतारने का है सपना

अभिषेक का सपना सस्ती कार बनाने का है। इसके लिए उन्हें एक निवेशक की तलाश है। वह कहते हैं, देश में अभी तक कोई सुपर कार नहीं बनती। अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान जैसे विकसित देशों से यह कार डेढ़ से दो करोड़ में आती है। मध्य वर्ग के लिए इसे लेना एक सपना ही है। उनकी कार 50 लाख में ही मिल सकेगी। ऐसा संभव हुआ तो सुपर कारों के मामले में भी भारत आत्मनिर्भर हो जाएगा।

कनाडा–सिंगापुर के आकाओं से ग्रुप में कॉलिंग करता था आतंकी लजर, पूछताछ में हुए कई चौंकाने वाले खुलासे

प्रयागराज। एसटीएफ ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकी लजर मसीह से पूछताछ की। पूछताछ में कई बड़े खुलासे हुए हैं। आतंकी लजर अपने आकाओं के संपर्क में था।

पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने वाला बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) का आतंकी लजर मसीह से पूछताछ में और भी कई खुलासे हुए हैं। पता चला है कि आतंकी लजर के आका कनाडा और सिंगापुर में बैठे हैं। इनसे वह इंटरनेट कॉलिंग पर ग्रुप में बात करता था।

एसटीएफ को लजर के मोबाइल फोन पर कई चौटिंग मिली है, जांच में पता चला है कि यह चौटिंग कनाडा में बैठे आकाओं की है। इसके अलावा उसके मोबाइल से कई बार इंटरनेट कॉलिंग का रिकॉर्ड भी मिला है। यह कॉल कनाडा से आती थी। थोड़ी देर बातचीत के बाद कॉल को सिंगापुर में बैठे कुछ और आकाओं के साथ जोड़ दिया जाता था। यानी, इन सभी के बीच ग्रुप पर कॉलिंग

होती थी।

बहरहाल, एसटीएफ की टीम ने मोबाइल फोन के सभी डाटा को संग्रह कर लिया है। जिसे आगे की जांच के लिए आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) को सौंप दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि लजर के मोबाइल फोन पर मिले चौटिंग में महाकुंभ को लेकर भी आकाओं से बातचीत करने के तो तथ्य मिले हैं, लेकिन ऑडियो कॉल पर इन लोगों की आपस में क्या बातचीत हुई है, इसका कोई रिकॉर्ड नहीं मिला है।

सिंगापुर के आका की कुंडली खंगालेगी एटीएस

जांच में पता चला है कि आतंकी लजर मसीह का मुख्य सरगना कनाडा में बैठा है, लेकिन सिंगापुर में ये लोग किससे बात करते थे इसकी एटीएस कुंडली खंगाल रही है। कौशाम्बी पुलिस ने एटीएस को केस सौंप दिया है, उसके जेल को भी जल्द बदला जाएगा। सूत्रों ने बताया कि आतंकी लजर ने और भी कई अहम खुलासे किए हैं। विवेचना पूरी होने के बाद कई और तथ्य सामने आएंगे।

एटीएस ले सकती है लजर का रिमांड

छह मार्च को एसटीएफ ने आतंकी लजर मसीह को कौशाम्बी से गिरफ्तार किया था। कौशाम्बी जिला जेल में निरुद्ध लजर मसीह की न्यायिक अभिरक्षा 19 मार्च को समाप्त हो रही है। ऐसे में उसे पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) पर लेने के लिए इस तिथि से पहले ही न्यायालय में अर्जी दाखिल करनी होगी। आगे की पूछताछ के लिए एटीएस चार दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) लेने की तैयारी कर रही है। संभावना है कि सोमवार को एटीएस लजर को रिमांड कस्टडी पर ले लेगी।

केन्द्र सरकार पर 50 हजार का जुर्माना, पूर्वोत्तर रेलवे के जीएम और आरपीएफ डीजी को HC ने दिया ये आदेश

प्रयागराज। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अदालत ने आरके प्रसाद व 12 अन्य सेवानिवृत्त जवानों की याचिका स्वीकार करते हुए दिया है। याची 30 जून को सेवानिवृत्त हुए थे। इसलिए रेलवे ने इन्हें पिछले वर्ष की वार्षिक वेतन वृद्धि से इन्कार कर दिया था।

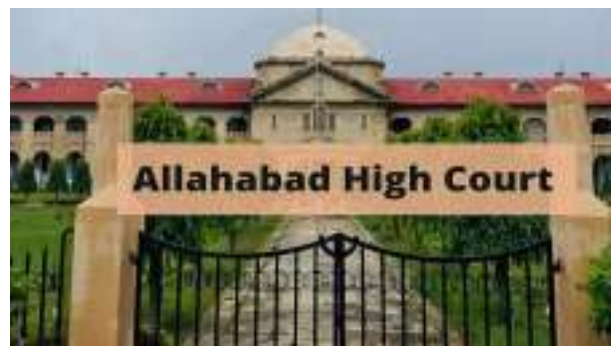

वेतन वृद्धि देने से इन्कार करने पर केंद्र सरकार पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही रेल मंत्रालय, आरपीएफ महानिदेशक, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के महाप्रबंधक व मुख्य लेखा अधिकारी को सेवानिवृत्ति वर्ष की वार्षिक वेतन वृद्धि को जोड़ते हुए बकाये की रकम तीन महीने में भुगतान करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की अदालत ने आरके प्रसाद व 12 अन्य सेवानिवृत्त जवानों की याचिका स्वीकार करते हुए दिया है। याची 30 जून को सेवानिवृत्त हुए थे। इसलिए रेलवे ने इन्हें पिछले वर्ष की वार्षिक वेतन वृद्धि से इन्कार कर दिया था। कहा था कि याची एक जुलाई को सेवा में नहीं थे। वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ केवल सेवा में कार्यरत को ही दिया जा सकता है। इसके खिलाफ याचियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि भले ही कर्मचारी एक जुलाई को सेवा में नहीं थे। लेकिन, वेतन वृद्धि के ठीक एक दिन पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने बीते वर्ष के दौरान वेतन वृद्धि अर्जित की है। इससे उन्हें वंचित नहीं किया जा सकता। लिहाजा, याची वार्षिक वेतन वृद्धि के लाभों के साथ मूल वेतन व पेंशन पाने के हकदार हैं। कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली।

दिल्ली, मुंबई रूट की ट्रेनें फुल, 25 मार्च तक किसी भी ट्रेन में जगह नहीं

प्रयागराज। होली के बाद अब अगले कई दिन दिल्ली, मुंबई की राह आसान नहीं है। इन दोनों ही रूट पर जाने वाली सभी प्रमुख ट्रेनों में अगले कई दिन लंबी प्रतीक्षा सूची है। दिल्ली की ही बात करें तो इस रूट की सभी प्रमुख ट्रेनें 25 मार्च तक फुल हैं, जबकि मुंबई, पुणे एवं दक्षिण भारत की तरफ जाने वाली ट्रेनों में इस माह कंफर्म बर्थ ही उपलब्ध नहीं है। कमोवेश यही स्थिति स्पेशल ट्रेनों की भी हो गई है। ऐसे में अब जिन लोगों को वापसी करनी है वह परेशान है कि वह अपने गंतव्य तक कैसे पहुंचे।

अब राजापुर के मनीष गुप्ता का ही उदाहरण लें, वह होली के मौके पर मुंबई से प्रयागराज तो आ गए लेकिन अब वह वापस नहीं जा पा रहे हैं। बीते दो दिन से वह तत्काल टिकट के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं लेकिन उन्हें कंफर्म बर्थ नहीं मिल पा रही है। इसी तरह सोमवार की सुबह रामबाग स्टेशन पहुंचे लाउदर रोड के अमित श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें पुणे जाना है और वह शनिवार से ही तत्काल टिकट के लिए प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जब तक उनका नंबर आता है तब तक संबंधित ट्रेन में प्रतीक्षा सूची हो जाती है। वहीं दूसरी ओर रेलवे द्वारा होली को लेकर तकरीबन 50 स्पेशल ट्रेनों को चलाया जा रहा है लेकिन इन सभी ट्रेनों में अगले कई दिन किसी भी श्रेणी में कंफर्म बर्थ उपलब्ध नहीं है।

हमसफर में प्रतीक्षा सूची 108 तक पहुंची

उधर सोमवार को भी प्रयागराज से विभिन्न शहरों की ओर जाने वाली ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची रही। प्रयागराज से आनंद विहार जाने वाली हमसफर के थर्ड एसी एवं स्लीपर श्रेणी में प्रतीक्षा सूची 108 तक पहुंच गई। इसी तरह शिवगंगा के एसी फर्स्ट के अलावा अन्य सभी श्रेणियों में नो रूम रहा। वहीं प्रयागराज के स्लीपर में सोमवार को 156, थर्ड एसी में 125, एसी टू में 85 एवं एसी फर्स्ट में प्रतीक्षा सूची 13 रही। वहीं दूसरी ओर यूपी रोडवेज की बात करें तो रविवार के मुकाबले सोमवार को यात्रियों की आवाजाही कुछ कम तो रही, लेकिन तमाम रूटों पर जाने वाली बसों में भीड़ बरकरार रही। सोमवार को भी लखनऊ, अयोध्या एवं कानपुर रूट पर जाने वाले यात्रियों की संख्या ज्यादा रही। हालांकि दोपहर बाद आजमगढ़, गाजीपुर, देवरिया आदि रूट पर जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी। यूपी रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि होली के मौके पर सात रूट पर अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं। 18 मार्च तक अतिरिक्त बसों का संचालन होता रहेगा। अगर जरूरत पड़ी तो आगे भी अतिरिक्त बसें चलाई जा सकती हैं।

परीक्षा के सालभर बाद भी नहीं मिली मार्कशीट

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के स्नातक प्रथम वर्ष कुछ पाठ्यक्रम के छात्र–छात्राओं को अब तक अपने अंक पत्र (मार्कशीट) का इंतजार है, जो कि परीक्षा के तकरीबन एक साल से लंबित है। यह समस्या इसलिए और भी जटिल हो जाती है, क्योंकि द्वितीय वर्ष में प्रवेश ऑनलाइन डेटा बेस के आधार पर लिया गया है और उन्हीं छात्रों की स्नातक द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं 18 मार्च से प्रस्तावित है। इस स्थिति में छात्रों को अपने भविष्य को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। छात्रों का कहना है कि शैक्षकि सत्र 2023–24 के लिए वार्षिक परीक्षा मार्च–अप्रैल 2024 में हुई थी, वेबसाइट पर रिजल्ट तो जारी कर दिया गया, लेकिन अब तक मार्कशीट नहीं मिली है। छात्रों का कहना है कि इविवि प्रशासन से पूछने पर यही जवाब मिलता है कि जल्द ही मिल जाएगी। ऑनलाइन डेटा बेस पर इविवि कैंपस एवं कॉलेजों में द्वितीय वर्ष में छात्रों को प्रवेश मिल गया है। जिनकी परीक्षाएं 18 अप्रैल से शुरू होंगी। सूत्रों की मानें तो कॉलेज प्रशासन भी कई बार विश्वविद्यालय से मार्कशीट के लिए गुहार लगा चुका है।

कैंसर के खतरे को शुरू होने से पहले ही भांप लेगी डिवाइस, आर्मी हॉस्पिटल लखनऊ में ट्रायल की तैयारी

प्रयागराज। मुंह का कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसका नाम सुनते ही लोग सहम जाते हैं। देर से इसका पता लगने के कारण जान का जोखिम बढ़ता जाता है। अब लखनऊ बीटेक के छात्रों ने एक ऐसी डिवाइस बनाई है। मुंह का कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसका नाम सुनते ही लोग सहम जाते हैं। देर से इसका पता लगने के कारण जान का जोखिम बढ़ता जाता है। अब लखनऊ बीटेक के छात्रों ने एक ऐसी डिवाइस बनाई है, जो कि कैंसर के खतरे को शुरू होने से पहले ही भांप लेगी। माना जा रहा है कि इससे मुंह के कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी की रोकथाम में मदद मिलेगी। फिलहाल आर्मी के साथ संयुक्त रूप से मरीजों पर डिवाइस के ट्रायल की तैयारी की जा रही है। इसके लिए कुछ अस्पतालों ने स्वीकृति भी प्रदान कर दी है। सब कुछ ठीक रहा तो छह से सात महीने में यह डिवाइस मार्केट में उपलब्ध हो सकेगी। लखनऊ के एमिटी कॉलेज के बीटेक के छात्र सौरभ कुमार, ईशा सक्शेना, अमान आरिफ और इनके दो मेंटर की टीम मुक्ता ने मिलकर एक ऐसी डिवाइस का निर्माण किया है जो मुंह के कैंसर को शुरू होने से पहले ही भांप लेगी। सौरभ ने बताया कि डिवाइस को बनाने में छह से सात हजार रुपये की लागत आ रही है। इसके लिए उन्होंने लखनऊ के आर्मी हॉस्पिटल से मरीजों पर डिवाइस के ट्रायल का अनुबंध किया है। इस डिवाइस के जरिए रोगी के मुंह की तस्वीर लेकर उसका डेटाबेस तैयार किया जाएगा और पुराने डेटाबेस से तुलना की जाएगी, जिसके आधार पर कैंसर के होने की संभावनाओं का पता लगाया जा सकेगा। लखनऊ बीटेक के छात्र पिछले एक साल से इस डिवाइस पर काम कर रहे हैं। अब जबकि यह तैयार हो चुकी है तो डेटा बेस के लिए अधिक से अधिक मरीजों पर ट्रायल की आवश्यकता है, जिसके लिए लखनऊ के आर्मी अस्पताल ने अनुमति प्रदान करने के साथ ही छात्रों को एक प्रमाणपत्र भी जारी किया है। इसके जरिए अन्य अस्पतालों से भी संपर्क साधा जा रहा है। वहीं एसजीपीजीआई ने अपने यहां ट्रायल की अनुमति दे दी है। संभावना जताई जा रही है कि अगले सात से आठ दिनों में यहां के मरीजों पर डिवाइस के जरिए ट्रायल शुरू कर दिया जाएगा। वहीं अन्य अस्पतालों से भी संपर्क साधा जा रहा है। बीटेक छात्रों का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले छह से सात महीने में डिवाइस को पूर्ण रूप से माउथ कैंसर के मरीजों की जांच के लिए उपयोग में लाना है।

गदा रथ का किया गया स्वागत

प्रतापगढ़। राजस्थान के उदयपुर स्थित हनुमंत धाम में कंचन सेवा संस्थान के तत्वावधान में निःशुल्क उपचारध्याकृतिक योग चिकित्सालय के माध्यम से समाज को आरोग्यता प्रदान करने के लिए समय समय पर चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है सइसी क्रम में चिकित्सालय प्रशासन द्वारा सामाजिक सहयोग

से भटेवर मेनार के मध्य एयरपोर्ट रोड उदयपुर राजस्थान में 84 फिट की 11मुखी हनुमान जी की प्रतिमा का निर्माण कराया जाना है जिसमें 21फिट की अष्टधातु की गदा स्थापित की जाएगी सयह गदा रथ पर रखकर संपूर्ण भारतवर्ष की परिक्रमा कर रही है सइस क्रम में आज यह रथ अम्बेडकर चौराहा पर कुछ समय के लिए रोका गया जिसका स्वागत राधेकृष्णा डिवाइन होम्योपैथिक क्लीनिक की प्रोपाइटर डॉ सिमरन कौशल डॉ राजेश्वर प्रीतम उपाध्याय अमित शुक्ल राज कुमार मौर्य महान मिश्र राम चंद्र उपाध्याय आदि ने कियास यह रथ यात्रा जनपद के सभी विकास खण्डों से होकर 20 तारीख को कौशाम्बी प्रस्थान करेगी।

बार एसोसिएशन के समर्थन में भारतीय किसान यूनियन भानु करेगी आंदोलन: हरेश ठेनुआ

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन भानु के कैंप कार्यालय पानीगांव में वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ की अध्यक्षता में किसान यूनियन के पदाधिकारी एवं अधिवक्ताओं के साथ बैठक की गई। जिसमें कृष्णा नगर चौकी इंचार्ज विक्रांत तोमर के द्वारा सह पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर अधिवक्ता अमरजीत सिंह के साथ की गई अभद्रता,मारपीट एवं झूठी एफ.आई.आर दर्ज कराने का

विरोध करते हुए तानाशाह और अमानवीय व्यवहार की कड़ी निंदा की गई। भाकियू भानु के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ ने कहा कि अधिवक्ता हमारे राष्ट्र और समाज के संरक्षक एवं महत्वपूर्ण अंग हैं अधिवक्ता अमरजीत सिंह के साथ कारित की गई घटना अमानवीय, गैर विधिक तथा आपराधिक कृत्य है इस तरह की पुलिस की मानसिकता कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ने वाली है। शिकायत करने पर एस. एस.पी ने घटना की दो दिन में जांच करके दोषियों पर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।अगर घटना में दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्यवाही नहीं की जाती तो भारतीय किसान यूनियन भानु बार एसोसिएशन मथुरा के साथ कंधा से कंधा मिलाकर आंदोलन करेगी। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन भानु के जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान, विधि प्रकोष्ठ के पदाधिकारी जिलाध्यक्ष जितेंद्र भरंगर एडवोकेट, जिला उपाध्यक्ष महेश चंद्र शर्मा एडवोकेट,सचिव राजेश सैनी एडवोकेट, भरत सिंह एडवोकेट, लक्ष्मी नारायण, अनुभव पचौरी एडवोकेट, कुशलपाल सिंह आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

होली मिलन के साथ आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ़ की मासिक बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। शहर के जेल रोड स्थित आनन्द सदन पर आरोग्य भारती शाखा प्रतापगढ़ के पदाधिकारियों व सदस्यों द्वारा होली मिलन व मासिक बैठक का आयोजन किया गयास बैठक की अध्यक्षता डॉ सुधांशु उपाध्याय तथा संचालन धर्म प्रकाश पाण्डेय जी ने किया सबैठक में संरक्षक डॉ एस के शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ सिमरन कौशल व अमित शुक्ल सह सचिव डॉ राजेश्वर

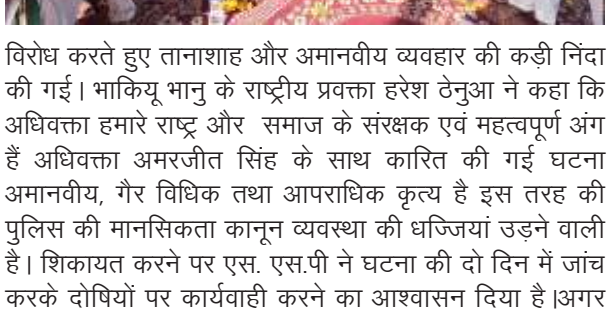

प्रीतम उपाध्याय कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा डॉ राजीव कुमार श्रीवास्तव डॉ कामायनी उपाध्याय उपस्थित रहेस बैठक में पिछली कार्यवाही पढ़ी गई जिसकी पुष्टि अध्यक्ष डॉ सुधांशु उपाध्याय ने कीस बैठक में आगामी अप्रैल माह में होम्योपैथी के जनक डॉ सैमुअल हैनिमैन सर के जन्मदिवस को मनाने पर सहमति बनीस इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए डॉ राजेश्वर प्रीतम उपाध्याय को संयोजक बनाया गयास कार्यक्रम की सफलता के लिए सारे निर्णय लेने और सभी का सहयोग प्राप्त करने तथा सहभागिता सुनिश्चित कराने के लिए उन्हें स्वतंत्र रहने की सहमति दी गईस होली मिलन के साथ बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

राज्यपाल का कार्यक्रम छोड़ भागने वाले नोडल अधिकारी पर होगा एक्शन

लखनऊ, संवाददाता। यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल कल महराजगंज पहुंचीं थी। कार्यक्रम में आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी को बनटांगिया एवं मुसहर बस्ती से आयुष्मान कार्ड धारकों को बुलाने के लिए कहा गया था। कार्यक्रम में परिवर्तन किया गया, जिसको लेकर नोडल अधिकारी नीरज लाल कन्नौजिया कार्यक्रम को आधा–अधूरा कार्यक्रम छोड़कर भाग लिये।नोडल अधिकारी नीरज लाल कन्नौजिया का कार्यक्रम छोड़ने का मामला सुर्खियों में है।

यूपी बोर्ड की कापियों के मूल्यांकन राशि में वृद्धि करे सरकार: डॉ. कुलदीप मलिक

मुजफ्फरनगर। शिक्षक नेता डॉ. कुलदीप मलिक ने उत्तर प्रदेश सरकार से यूपी बोर्ड की कपियों के मूल्यांकन राशि को बढ़ाने की मांग की है। डॉ मलिक के अनुसार सीबीएसई और यूपी बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों को मिलने वाले पारिश्रमिक में तिगुने से अधिक का अंतर है जिसके कारण प्रदेश के शिक्षकों में सरकार से भारी नाराजगी है। डॉ. मलिक का आरोप है कि सीबीएसई के परीक्षकों के मुकाबले यूपी बोर्ड में कम पारिश्रमिक देकर सरकार शिक्षकों के शोषण का काम कर रही है। एक तरफ सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास के साथ साथ समानता की बात करती है और वहीं दूसरी तरफ शिक्षकों के साथ इस तहर का भेदभाव अपने आप में बहुत ही चिंताजनक है। ध्यान रहे 19 अप्रैल से यूपी बोर्ड परीक्षाओं की हाईस्कूल और इंटरमीडएट की कॉपियों का मूल्यांकन शुरू होने जा रहा है। डॉ. मलिक में बताया कि एक तरफ सीबीएसई अपने

शिक्षकों को प्रति कापी मूल्यांकन का 40 रुपये देता है और प्रत्येक दिन जलपान के लिए 100 रुपये देता है वहीं दूसरी तरफ यूपी बोर्ड हाईस्कूल की प्रति उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन के एवज में 14 रुपये व इंटर में 15 रुपये प्रति उत्तर पुस्तिका के हिसाब से भुगतान करता है और जलपान के लिए रोज का महज 25 रुपये मिलता है। इस 25 रुपये में लंच तो छोड़िये इसमें दो चाय भी ठीक से पी पाना मुकिश्ल होता है।

डॉ. मलिक के अनुसार मूल्यांकन के दौरान शिक्षकों की ड्यूटी 25 से 30 किमी. दूर परीक्षा केन्द्रों पर ड्यूटी लगायी जाती है। ऐसे में शिक्षकों को जितना पारिश्रमिक नहीं मिलता है। उससे ज्यादा किराए व पेट्रोल में खर्च हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि वो यूपी बोर्ड की परीक्षाओं में ड्यूटी व मूल्यांकन में लगे कक्ष निरीक्षकों और परीक्षकों को सीबीएसई के समान पारिश्रमिक दे।

डॉ. मलिक ने सरकार का ध्यान उन वित्त विहीन शिक्षकों की तरफ भी आकर्षित करने का काम किया है जिनके आर्थिक हालात आज मजदूर से भी बदतर है और मूल्यांकन के दौरान वह इतना भी पारिश्रमिक प्राप्त नहीं कर पाते जितना वह मूल्यांकन के दौरान खुद से खर्च करते हैं।

डॉ. मलिक ने शिक्षकों के साथ–साथ मुख्य नियंत्रक, उप नियंत्रक, सह उप नियंत्रक, कक्ष नियंत्रक, कोठारी, उप प्रधान परीक्षक एवं तृतीय और चतुर्थ श्रेणियों के कर्मचारी के पारिश्रमिक को भी बढ़ाने की मांग भी सरकार से की है।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, डीएम उमेश मिश्रा व अन्य अधिकारियों को साथ लेकर नगर का भ्रमण करेंगे

मुजफ्फरनगर। लखनऊ से जानकारी देते हुए नगर विधायक और प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि वे कल प्रातरू 9 बजे पालिका अध्यक्ष, जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों के साथ नगर का भ्रमण करेंगे और जनहित के मुद्दों का संज्ञान लेंगे।

मंत्री कपिल देव ने बताया कि विभिन्न विभागों की प्रस्तावित कार्ययोजना का स्थलीय निरीक्षण करने और आगामी कार्यों को मूर्त रूप देकर नगर के चहुंमुखी विकास का खाका खींचने के लिए शहर के मुख्य क्षेत्रों का दौरा किया जाएगा। इनमें विश्वकर्मा चौक से जानसठ बस अड्डे व नई मंडी ओवरब्रिज की ओर, अंसारी रोड, अहिल्याबाई चौक, झाँसी रानी चौक, लद्दावाला–रामलीला टीला रोड (नाले की जल निकासी), रूड़की रोड, मेरठ रोड आदि क्षेत्रों का भ्रमण करेंगे।

मंत्री कपिल देव ने कहा कि पीडब्ल्यूडी, जल निगम, विद्युत विभाग, डूडा, नगर पालिका, विकास प्राधिकरण और 15वें वित्त के अंतर्गत यहां सड़क निर्माण, जल निकासी, पथ प्रकाश, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट वेंडिंग जोन, सौन्दर्यीकरण आदि समस्याओं का मौके पर निरीक्षण कर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, उपाध्यक्ष विकास प्राधिकरण कविता मीना, अधिशासी अधिकारी प्रज्ञा सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अधिशासी अभियंता जल निगम, लोक निर्माण विभाग आदि अधिकारियों के साथ निरीक्षण करेंगे। जनता की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के उद्देश्य से यह भ्रमण कार्यक्रम रखा गया है। मंत्री कपिल देव ने कहा कि वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को प्रतिबद्ध है।

बसपा सुप्रीमो मायावती के घर एनएसजी की मॉक ड्रिल,पूर्व सीएम की डमी बनाकर स्ट्रेचर पर निकाला

लखनऊ, संवाददाता। बसपा सुप्रीमो मायावती के आवास पर मंगलवार सुबह एनएसजी कमांडो की टीम अचानक से एंटर हुई। सायरन बजाती हुई एम्बुलेंस भी पहुंची। इसके बाद स्ट्रेचर को एनएसजी जवानों ने एम्बुलेंस में शिफ्ट किया। एम्बुलेंस कुछ ही देर में एनएसजी कमांडो के घेरे के बीच बाहर आई। इस स्ट्रेचर पर मायावती की तरह दिखने वाली डमी थी। यह पूरी प्रक्रिया यूपी की पूर्व सीएम मायावती की सुरक्षा को लेकर की गई। एनएसजी ने लखनऊ में मायावती के घर पर मॉक ड्रिल की। इस दौरान मायावती के घर के अंदर और बाहर 80 जवान तैनात रहे। दो दिन पहले सुरक्षा अधिकारी ने मॉकड्रिल को लेकर बसपा सुप्रीमो को लेटर लिखा था। मायावती के आवास से उनकी डमी को

करीब 1.5 किमी दूर सिविल अस्पताल लाया गया। मॉक ड्रिल में सुरक्षाकर्मी, सिविल अस्पताल के डॉक्टर, पुलिसकर्मी, फायर और एम्बुलेंस टीम भी शामिल रही। यह मॉक ड्रिल 9 माल एवेन्यू स्थित मायावती के आवास पर करीब एक घंटे चली। एनएसजी की मॉक ड्रिल के दौरान बसपा सुप्रीमो के घायल होने की सूचना मिलती है। मायावती की तरह ही कपड़े पहनी एक महिला को स्ट्रेचर पर बाहर लाया गया। उसे भारी सुरक्षा के बीच एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। एनएसजी के एक अधिकारी ने बताया हमारी टीम ने पूर्व सीएम मायावती के आवास पर एक घंटे तक यह मॉक ड्रिल की। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान हमारे जवान बसपा सुप्रीमो मायावती के आवास में कोने–कोने तक पहुंचे। हमने दुर्घटनाओं की संभावनाओं को देखते हुए मॉक ड्रिल की है। एनएसजी का मॉक ड्रिल के पीछे का मकसद रिस्पॉन्स टाइम को समझना था। दरअसल, किसी भी घटना के घटित होने के बाद क्विक रिस्पॉन्स में कितना समय लगता है, हमने इसका पूरा आकलन किया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी सुरक्षा को लेकर सपा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि सपा सरकार में जानबूझकर उनके ऑफिस के सामने ऊंचा पुल बनवाया गया। यहां से अराजक तत्व उनके पार्टी ऑफिस, कर्मचारियों और मुझे नुकसान पहुंचा सकते हैं। बसपा सुप्रीमो ने यूपी सरकार से अपनी सुरक्षा की मांग की थी।

यूपी में बसेगा नया शहर, फैला होगा 6000 एकड़ में

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में एक नई टाउनशिप बसने जा रही है। ये 6,000 एकड़ में फैली होगी,जिस इलाके में ये बसने वाली है। उस एरिया में ऐसी टाउनशिप करीब 40 साल पहले बसाई गई थी और अब सरकार ने करीब 4 दशक के बाद यहां नया शहर बसाने का फैसला किया है। यहां लोगों को रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्लॉट्स दोनों उपलब्ध होंगे। टाउनशिप लखनऊ के बक्शी का तालाब एरिया में बसने जा रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने इस 6,000 एकड़ की टाउनशिप का प्लान बना लिया है। जमीन का सर्वे है। एलडीए के वाइस प्रेसिडेंट प्रथमेश कुमार का कहना है कि इस योजना के लिए बीकेटी क्षेत्र के 14 गांवों की जमीन चिन्हित कर ली है। इनमें भौली, बौरुमाऊ, धतिंगरा, गोपरामऊ, लक्ष्मीपुर, पूरब गांव, पुरवा, सैरपुर, फर्रुखाबाद, कोडरी भौली, कमलाबाद, कमलापुर, सैदापुर और पल्हरी शामिल हैं।

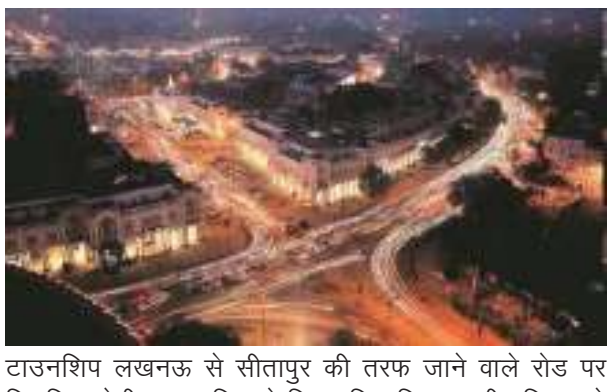

टाउनशिप लखनऊ से सीतापुर की तरफ जाने वाले रोड पर विकसित होगी। टाउनशिप के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तेज करने के लिए 5 सीनियर ऑफिसर की एक कमेटी बनाई गई है। सचिव विवेक श्रीवास्तव कमेटी के अध्यक्ष हैं।

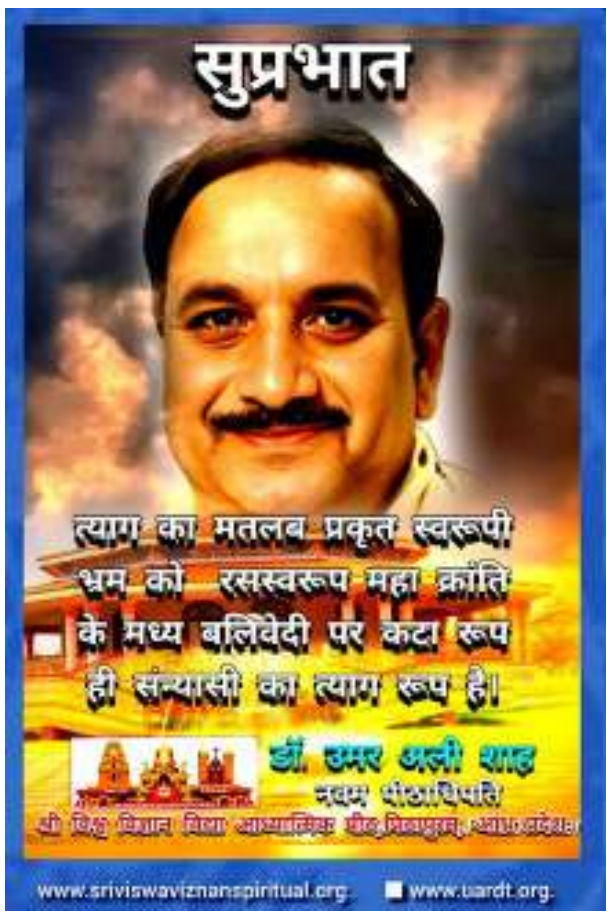

धर्म दिखावा है नहीं

(कुण्डलिया)

साधक साधन से परे,बिन सोचे परिणाम।
लेता है वह ईश का,अलग–अलग नित नाम।
अलग–अलग नित नाम, त्याग दुनिया की माया।
बैठ नदी के तीर, कभी बरगद की छाया।
रहना पास प्रदीप, मगर मत करना बकबक।
देगे आशीर्वाद, तुम्हें तब योगी साधक। ।

धर्म दिखावा है नहीं,है यह प्रेम–विचार।
जहाँ ईश की बात है,तज माया संसार।
तज माया संसार, ज्ञान का सागर देखो।
नदिया तीरे बैठ,ईट को जल में फेको।
कहते सखा प्रदीप,समझ लो धर्म छलावा।
फिर कहना यह सत्य, नहीं है धर्म दिखावा।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की अस्पताल में मौत

मोरना। दुलेहंडी की शाम ककरौली ––जानसठ मार्ग पर अज्ञात वाहन की टककर से गंभीर रूप से घायल हुए बाइक सवार खरपोड़ गांव निवासी अनुज प्रजापति की अस्पताल मे उपचार के दौरान मौत हो गयी। मंगलवार को मृतक का शव चंडीगढ़ से गांव लाया गया। व्यक्ति की मौत से परिवार मे कोहराम मच गया है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव खरपोड़ निवासी 27 वर्षीय अनुज पुत्र कर्णपाल प्रजापति मेरठ जनपद के गांव पनवाडी मे अपनी बहन मीनू के घर होली मनाने गया था। शुक्रवार की शाम वह अपने जीजा विक्की के संग बाईक द्वारा घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वह ककरौली –जानसठ मार्ग पर जटवादा पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसकी बाईक को टककर मार दी। तेज टककर लगने से जीजा साले घायल हो गये सघायलो को मुजफ्फरनगर अस्पताल ले जया गया।गंभीर हालत के चलते अनुज को चंडीगढ़ अस्पताल ले गया जहां उपचार के दौरान सोमवार को उसकी मौत हो गयी। मंगलवार को पोस्मार्टम के बाद अनुज के शव को गांव लाया गया। अनुज की मौत से परिवार मे कोहराम मच गया। अनुज के परिवार मे माता शिमला पत्नी ज्योति दस वर्षीय पुत्र निखिल आठ वर्षीय आयुष व पांच वर्षीय पुत्री लक्ष्मी हैं। भाई विकास, छोटू व बहन मीनू का रोरोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी निरीक्षक जयसिंह भाटी ने बताया की मामले मे अभी कोई तहरीर नहीं आई है। तहरीर आने पर अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे आधा दर्जन घायल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कराया भर्ती

मोरना। पुरानी रंजीश व आपस में हुई कहासुनी के बाद दो पक्षों में मस्जिद के बाहर जमकर मारपीट हुई जिसमें लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गए। दो घायलों को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव मोरना में सोमवार की शाम जानसठ मार्ग पर स्थित मस्जिद के बाहर असर की नमाज के बाद शमशेर व दूसरे पक्ष के आफताब आदि में कहा सुनी व गाली–गलौज हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्षों के लोग वहां आ गये ओर डंडे व धारदार हथियार चल पड़े।एक पक्ष की ओर से मोहम्मद फरीद, अहमद व शमशेर घायल हो गए। दूसरे पक्ष की और से बाबर, आफताब, शबाब आलम आदि घायल हो गए। घायलों को भोपा के समुदाय स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया जहां से दोनों और के गंभीर रूप से घायल मोहम्मद फरीद और बाबर को जिला चिकित्सालय रेफर किया गया।

सम्पादकीय.....

शर्मसार हैं हम

कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। निश्चय ही यह देश की छवि को धूमिल करने वाला कृत्य है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार खराब हो रही है। गाहे–बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। वहीं दूसरी ओर दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़–सी आई हुई है। न केवल विदेशियों बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की तमाम घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है। कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़–सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है। सामाजिक स्तर पर संयुक्त परिवारों के बिखराव से भी यह संकट और बढ़ा है। गांव व शहर में पहले सामाजिक संरचना मनुष्य को संयमित व मर्यादित जीवन जीने को बाध्य करती थी। हमारी शिक्षा व्यवस्था से नैतिक शिक्षा की कमी भी अखरती है। दरअसल, सोशल मीडिया पर ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है जो पश्चिमी जीवन शैली की तर्ज पर स्वच्छंद यौन व्यवहार को प्रोत्साहित करते हैं। जिसे युवा सामान्य जीवन में स्वच्छंदता का पर्याय मानने लगा है। कहीं न कहीं महानगरीय संस्कृति में नई पीढ़ी पर परिवार संस्था की ढीली होती पकड़ भी इन अपराधों के मूल में है। समाज विज्ञानियों को आत्ममंथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है। इस दिशा में सरकार, समाज व परिवार को गंभीरता से मंथन करना होगा। अन्यथा भारत यौन अपराधों की राजधानी बनने में देर नहीं लगेगी।

आखिर किसे लात मारेंगे गडकरी?

डॉ. दीपक पाचपोर

सरकारी धन का इस्तेमाल किये बगैर वे किसी भी योजना को साकार करने में सक्षम माने जाते हैं। इसके लिये वे पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) का इस्तेमाल करते हैं।

केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अपने काम के साथ अपनी साफगोई के लिये भी मशहूर हैं। माना जाता है कि वे अपने तरीके से काम करते हैं जिसमें किसी का दखल या दबाव नहीं होता। हर तरह की परियोजना पर उनकी अपनी मुहर होती है। सरकारी धन का इस्तेमाल किये बगैर वे किसी भी योजना को साकार करने में सक्षम माने जाते हैं। इसके लिये वे पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) का इस्तेमाल करते हैं। सबसे पहले 1995 में महाराष्ट्र की शिवसेना–भारतीय जनता पार्टी सरकार बनी तब उन्होंने यही पद सम्हाला था। उस दौरान मुम्बई में काफी कम समय में 55 फ्लाईओवर और मुम्बई–पुणे हाईवे बनाने में उन्हें सफलता मिली थी। वरली सी फेस ब्रिज भी उनके प्रयासों से बना था। इन सभी निर्माणों में इसी पद्धति का उन्होंने इस्तेमाल किया था। हालांकि निजी भागीदारों द्वारा भारी–भरकम टोल वसूल करने, अनेक महत्वपूर्ण महामार्गों के ध असकने और कई पुलों के ढहने की भी घटनाएं हुई थीं जिसके कारण पीपीपी पर सवालिया निशान भी लगे। नागपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक साधारण कार्यकर्ता से उठकर इस पद तक पहुंचे गडकरी कई कारणों से सुर्खियां बटोरते रहे हैं। वर्ष 2010–13 के दौरान वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाये गये थे लेकिन उनके पूर्ती उद्योग समूह पर 2012 में अनियमितताओं के लगे आरोपों के कारण उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। बाद में वे आरोप गलत साबित हुए थे। उनमें यह अच्छी बात है कि जो काम वे कर नहीं पाते उसे वे किसी भी मंच से स्वीकारने में संकोच नहीं करते। याद हो कि पिछले वर्ष के लोकसभा चुनाव के पहले नागपुर से प्रकाशित होने वाले एक अखबार में छपे साक्षात्कार ने हलचल मचा दी थी जो नाम न छापने की शर्त पर एक कथित केन्द्रीय मंत्री का था, जिसमें उन्हें यह कहकर उद्धृत किया गया था कि श्वे जब चाहें केन्द्र की भाजपा सरकार को पलटा सकते हैं। उस इंटरव्यू में उन मंत्री का यह उद्धरण भी छपा था कि श्उनके साथ बहुमत है और वे प्रधानमंत्री बन सकते हैं। भाजपा की मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बेहद करीबी माने जाने वाले गडकरी की ओर सभी का संदेह गया था। माना गया था कि उनके जरिये नरेन्द्र मोदी को खबरदार किया गया है। हालांकि गडकरी ने कभी स्वीकार नहीं किया कि वह साक्षात्कार उनका था। कोई करेगा भी नहीं। एक विनम्र तथा काम से काम रखने वाले नेता की उनकी छवि है। वे दलगत राजनीति या गुटबाजी में नहीं उलझते, लेकिन कभी–कभार उनकी ओर से आये कुछ बयान इसलिये चर्चा में आ गये कि वे पार्टी लाइन से हटकर रहे हैं। मसलन, पिछले दिनों एक कार्यक्रम में उन्होंने बतलाया कि जिस लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से वे निर्वाचित होते हैं उनमें बड़ी तादाद मुस्लिमों की है और उनका उन्हें पूरा समर्थन मिलता है। वे यह बतलाने से भी गुरेज नहीं करते कि विभागीय निर्णय लेते वक्त वे यह नहीं देखते कि उन इलाकों में किस समुदाय के लोग रहते हैं। जाहिर है कि एक मंत्री के नाते उन्हें यही कहना होता है। बेशक, उनके लोकसभा क्षेत्र नागपुर में बड़ी तादाद में अल्पसंख्यक रहते हैंय लेकिन सभी को यह भी पता है कि चुनाव केवल विचारध ारा के आधार पर नहीं लड़े जाते। उसमें बूथ मैनेजमेंट से लेकर बहुत सारे अन्य तथ्य भी प्रभाव डालते हैं। बहरहाल, संघ से नजदीकी बतलाती है कि गडकरी संगठन की विचारधारा से अलग नहीं हो सकते। मोदी और आरआरएस प्रमुख मोहन भागवत तक इस आशय के बयान देते रहे हैं जो एक तरह से भाजपा–संघ का उदार चेहरा बतलाने की कोशिश रहती है। मोदी कहते हैं कि वे यदि हिन्दू–मुसलमान करेंगे तो उन्हें सार्वजनिक जीवन में रहने का अधिकार नहीं है। उधर भागवत को भी गाहे–बगाहे याद आ जाता है कि मुस्लिम हमारे भाई ही हैं अथवा शहिन्दुओं और मुस्लिमों का डीएनए एक ही है। पीएम, संघ–प्रमुख या संगठन के नेता कुछ भी कहते रहें लेकिन कार्यकर्ताओं को पता है कि असलियत क्या है। यदि मोदी या भागवत की बातों में उनका सच्चा यकीन होता तो आज देश में साम्प्रदायिक सौहार्द्र की बयार बह रही होती और जगह–जगह पर देश के इन दो प्रमुख धार्मिक समुदायों के बीच टकराव नहीं हो रहे होते। खैर, अब गडकरी नयी बात कह रहे हैं जो उनके जैसे संघ, एबीवीपी, भाजपा और मंत्रिमंडल के सदस्य के रूप में कहा जाना न केवल आश्चर्यजनक है बल्कि उनकी विचारधारा के बेहद प्रतिकूल भी। उनके तेवर भी कुछ अधिक आक्रामक हैं। नागपुर के अंजुमन–ए–इस्लाम इंजीनियरिंग संस्थान के दीक्षांत समारोह में भाषण करते हुए उन्होंने कहा कि, मैं कभी धर्म व जाति की राजनीति नहीं करता। मैं अपने तरीके से काम करता हूं। मुझे चिंता नहीं कि कौन उन्हें वोट देगा और कौन नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि इस इंजीनियरिंग कॉलेज की अनुमति उन्हें मिली थी लेकिन उन्होंने यह कहकर इस संस्थान को दे दी कि श्मुस्लिमों को इसकी जरूरत अधिक है।श कहा जा सकता है कि वे अपनी ध ार्मनिरपेक्ष नेता की छवि गढ़ रहे हैं, परन्तु अब गडकरी एक कदम आगे बढ़कर कहते हैं कि जो जात की बात करेगा उसको वे लात मारेंगे। जिस तरह संघ की विचारधारा धार्मिक भेदभाव में भरोसा रखती है, उतना ही उसका विश्वास वर्ण व्यवस्था में भी है। संघ स्वयं इससे परिचालित होता है। उसका नेतृत्व सिर्फ एक अपवाद को छोड़कर ब्राह्मणों के ही हाथ में रहा है। ऐसे में गडकरी लात मारने की बात करते हैं, तो समझना होगा कि वे किसकी ओर इशारा कर रहे हैं।

मुस्लिम के बिना भारत की राजनीति नहीं चल सकती

शकील अख्तर

बीजेपी मुसलमानों को जीने नहीं देगी। और विपक्ष उसे मरने नहीं देगा! कल्पना कीजिए बिना मुसलमान के भारत में राजनीति कैसी होगी? सारी शामत दलित, पिछड़ा, आदिवासी, महिलाओं की आ जाएगी। मुसलमान इनके और बीजेपी के बीच में एक दीवार है। अगर दीवार हट गई तो मनुवाद के हमले दलित पिछड़ा झेल नहीं पाएगा। कर्नाटक की केबिनेट ने एससी, एसटी, अन्य पिछड़े, सभी अल्पसंख्यक के लिए एक करोड़ तक की सरकारी खरीद में केवल पांच प्रतिशत के आरक्षण का प्रस्ताव पारित किया है। मगर बीजेपी ने हंगामा मचा दिया। उसे मनचाही मुराद मिल गई। अभी कहीं लागू नहीं हुआ। लेकिन देश भर के मीडिया में यही खबर चल रही है। केवल पांच प्रतिशत के इस ग्रूप में मुसलमान कितना फायदा उठा लेंगे किसी को नहीं मालूम। मगर बीजेपी इस तरह बोल रही है, मीडिया इस तरह चला रहा है जैसे मुसलमानों को कोई बहुत बड़ा लाभ मिलने जा रहा हो। कर्नाटक सरकार ने कोई नया काम नहीं किया है। करीब 25 साल पहले मध्य प्रदेश में दलित अजेंडा लेकर आने वाले उस समय के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दलितों के लिए सरकारी खरीद में 30 प्रतिशत आरक्षण किया था। उसका इतना विरोध हुआ कि कांग्रेस को सत्ता से बाहर जाना पड़ा। इससे आप समझ सकते हैं कि दलित, पिछड़ें, आदिवासियों के लिए अगर कुछ वास्तविक काम किया जाता है तो उसका क्या राजनीतिक परिणाम होता है। उस दलित अजेंडे के बाद ही आए 2003 के विधानसभा चुनाव में जो कांग्रेस हारी तो अभी तक मध्यप्रदेश में वापस नहीं आ पाई है। वह 2018 में कुछ समय के लिए आई कमलनाथ सरकार का कोई मायने नहीं है। वह चार दिन की चांदनी वह भी कमलनाथ और उनके कुछ खास लोगों के लिए रही बाकी पूरी मध्यप्रदेश कांग्रेस के लिए अध ेरी रात 2003 से ही जारी है। मुसलमान बीच में से हट जाए तो दलित पिछड़ों का जीना मुश्किल है! यह कर्नाटक सरकार का फैसला मूलतरू अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ों को बड़े ताकतवर समुदायों के ठेकेदारों के मुकाबले थोड़ा सा सशक्त करने के लिए है। लेकिन अन्य पिछड़ों में मुसलमान भी आते हैं इसलिए इसे विवाद का विषय बना दिया गया। मुस्लिम बीजेपी के लिए एक ऐसी चीज हैं जिसके बिना उसकी राजनीति नहीं हो सकती। एक किस्सा सुनाते हैं आपको। 2004 में जब अटलबिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बन गए और सब बधाइयां वध ाइयां हो गईं। केवल अडावानी और वाजपेयी बचे। तो वाजपेयी जी ने कहा कि कहिए आडवानी जी अब मुसलमानों को कहां फेंक आएं अरब सागर में या आपके हिन्दू नाम वाले प्रशांत महासागर में? आडवानी जी घबराए! बोले नहीं नहीं! फिर मेरी राजनीति का क्या होगा? हालांकि राजनीति फिर भी नहीं चली। प्रधानमंत्री नहीं बन पाए। और बड़े बेआबरू होकर बाकी जिन्दगी बिताना पड़ रही है। अभी होली के ठीक बाद भाजपा का एक बड़ा अफ्तार प्रोग्राम हुआ। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पहली बार किसी सार्वजनिक प्रोग्राम में दिखीं। कांग्रेस से और दूसरे विपक्षी दलों से तो यह हमेशा कहते रहते हैं कि अफ्तार में जाते हो हिन्दुओं के कार्यक्रमों में नहीं जाते। लेकिन खुद कोई होली मिलन का बड़ा कार्यक्रम करने के बदले रोजा अफ्तार में सारे बड़े नेता भाजपा के, केन्द्रीय मंत्री पहुंचे। कोई बुरी बात नहीं है। खुद वाजपेयी जी रोजा अफ्तार करते थे। सफेद नमाजी टोपी लगाते थे। लेकिन सोनिया गांध ी के करने पर हमेशा सवाल उठाए। अब सोनिया गांधी ने बंद भी कर दिया। हम तो हमेशा से इन राजनीतिक रोजा अफ्तार के विरोध में लिखते रहे। इसका आम मुसलमानों को कोई फायदा नहीं। मगर निशाने पर उन्हीं को लिया जाता है। सवाल उन्हीं से होते हैं। आज जो गोदी मीडिया के बड़े–बड़े धुरंधर हैं उनमें से किसी को अहमद पटेल, गुलामनबी आजाद, सलमान खुर्शीद से यह सवाल पूछते नहीं देखा कि रोजा अफ्तार क्यों? हां, गरीब मुसलमानों की बस्ती में यह सवाल जरूर पूछवाते हैं। अब दिल्ली की भाजपा की मुख्यमंत्री से पूछने की हिम्मत भी किसी ने नहीं दिखाई। मीडिया का एक और बड़ा रूप है। होली दीवाली पर कभी–किसी गोदी मीडिया के एंकर पत्रकार की हिम्मत नहीं पड़ी कि बिना बुलाए प्रधानमंत्री मोदी के या बीजेपी के किसी बड़े नेता के यहां पहुंच जाएं। मगर कांग्रेस के मुसलमान नेताओं के यहां पहुंच जाते हैं। उनके या उनकी नेता सोनिया के रोजा अफ्तार की आलोचना भी करते हैं और ईद पर तो खिलाना ही पड़ेगा के अधिकार के साथ भी पहुंच जाते हैं। एक मुस्लिम ग्रंथी जो बीजेपी संघ ने पैदा की। वह भाजपा और संघ के लोगों से ज्यादा मीडिया में है और जितना मुस्लिम विरोध की भावना उनमें है उससे कई गुना ज्यादा दलित पिछड़े, आदिवासी के लिए है। राहुल का यह सवाल सही है जो वे कई बार प्रेस कान्फ्रेंस में भी पूछ चुके हैं कि यहां मौजूद पत्रकारों में दलित पिछड़े कितने हैं? हालांकि वे खुद इस सवाल का जवाब नहीं दे सकते कि उनके अखबारों जिनमें तो सारी भर्ती ही नई की गई है कितने दलित पिछड़े हैं? कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड, नवजीवन, कौमी आवाज पहले भी बंद इसीलिए हुए कि वह पूरे संघियों के हाथों में चले गए थे। इतनी ओवर भर्तियां हो गईं थी कि तनखा देना मुश्किल हो गया था। कई रिटायर्ड अफसर हैं। आईएएस आईपीएस। पूरे संघी हो गए हैं। कुछ डबल इंजन की सरकारों में मिला भी हुआ है। राहुल का मजाक उड़ाना तो पहला काम है। मगर कभी–कभी यह बताने के लिए हम भी कभी लिखते थे। अपनी पुरानी कटिंग्स सोशल मीडिया पर डालते हैं। मिलने पर दिखाते भी हैं। नेशनल हेराल्ड में छपे लेख। हम कहते हैं आर्गनाइजर (संघ का मुखपत्र) में क्यों नहीं लिखते थे? कहते हैं वह कोई अखबार है? फिर आज टेबल पर यह क्यों रखा है? हें. . हें .. हें! नेशनल हेराल्ड क्यों नहीं? वह अब कोई अखबार बचा है? कांग्रेस के नेता तक नहीं पढ़ते। अभी हमें पिछले हफ्ते के नेशनल हेराल्ड और नवजीवन के पहले पेजों के फोटो किसी ने भेजे थे। बाद में अखबार भी। पहले पेज पर टाप पर करीब 6 –6 कालमों में मोदी जी के फोटो लगे थे। क्यों इसका जवाब किसी के पास नहीं है। नई भर्तियों की बात आई तो याद आया कि पहले लोकसभा चौनल और फिर राज्यसभा चौनल कांग्रेस के राज में ही शुरू हुए। और सब नई भर्तियां ही हुईं। खूब संघ के लोगों ने अपने लोगों को भर्ती कराया। बहुत बड़े पदों पर रहने वाले भी अपनी सफाई में यह लिखते रहते हैं कि हम कांग्रेसी नहीं। कौन पूछ रहा है कि आप क्या हो? मगर कांग्रेस राज में पूरा फायदा उठाने वाले यह जरूर कहते रहते हैं। दूरदर्शन रेडियो में तो संघी रहे ही। किसी एक संदर्भ में हमने किसी एक के बारे में लिख दिया था तो कांग्रेसी बड़े खुश हुए। कहने लगे अब वह हमें गालियां देता है। हमने कहा कम देता है और ज्यादा देना चाहिए। आपके लोगों ने दस साल उससे काम लिया। वह आप सबकी औकात जानता है। तो इस समय जब होली, रमजान के एक जुमे के साथ आने पर भाजपा ने और उसकी गोदी में बैठे मीडिया ने खूब अफवाहें फैलाईं। झूठ बोला। गैरकानूनी बात कर रहे एक पुलिस के सामान्य अधिकारी सीओ को हीरो बना दिया। खुद मुख्यमंत्री उसकी बात कि जुमे को निकलोगे तो यह होगा का समर्थन करने लगे। उस समय कर्नाटक की कांग्रेसी सरकार ने यह फैसला लिया है। जाहिर है कि होली और जुमा दोनों शांतिपूर्ण गुजर जाने से हताश मीडिया को यह एक नया मौका मिल गया। बीजेपी को तो मिला ही है। कांग्रेस को इससे क्या मिला? क्या मिलेगा? यह सवाल ऐसा ही है जिसका कोई जवाब नहीं आएगा। हां, कांग्रेस को होने वाले नुकसान जरूर सामने आएंगे और मुसलमान को क्या? मुसलमान को कुछ नहीं। 11 साल में वह सीख गया है कि शांत रहना है। चुप। वह असली निशाना नहीं है। एक बहाना है। असली निशाना तो दलित पिछड़ा आदिवासी है।

आम लोगों के गिरते जीवन स्तर और बेरोजगारी पैदा कर रही सामाजिक तनाव

कृष्णा झा

भारत में कॉर्पोरेट पूंजीवाद आज संकट की चपेट में है। अर्थव्यवस्था लगातार गिरती जा रही है। 8 जनवरी, 2025 को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार,अनुमान है कि 2024–25 में यह चार साल के निचले स्तर 6.4 प्रतिशत पर आ जायेगी, जिसका मुख्य कारण विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में खराब प्रदर्शन है। अंबानी और अडानी के नेतृत्व में कुछ ही हाथों में धन और पूंजी का बहुत बड़ा संकेन्द्रण है। छोटे और मध्यम उद्यम जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के साथ–साथ रोजगार सृजन में अधिकतम योगदान देते हैं, वे गहरे संकट में हैं और नष्ट हो रहे हैं। यह स्थिति इसलिए पैदा हुई है क्योंकि भारत को वित्तीय पूंजी के लिए एक खेल का मैदान बनने दिया गया है, जो बैंकिंग और औद्योगिक पूंजी के विलय के अलावा और कुछ नहीं है। वित्त वर्ष 24 के लिए संस्थान–वार निवेश डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि निजी क्षेत्र का निवेश जीडीपी के 11.2 प्रतिशत के तीन साल के निचले स्तर पर आ गया है, जो वास्तव में वित्त वर्ष 2016 और 2020 के बीच 11. 8 प्रतिशत के पूर्व–कोविड औसत से कम है, जो निजी क्षेत्र की कमजोर निवेश भावनाओं को दर्शाता है, जैसा कि इंडिया रेटिंग्स ने 5 मार्च, 2025 को एक नोट में कहा। विभिन्न पीएलआई योजनाओं की अनुमानित सफलता और निजी क्षेत्र द्वारा निवेश के लिए अन्य सरकारी प्रयासों जैसे आवश्यक आकर्षणों के बावजूद, यह वहीं का वहीं बना हुआ है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025 के अनुसार देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए, अर्थव्यवस्था को दो दशकों तक निरंतर 8 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ना चाहिए। इसके लिए कम से कम 35 प्रतिशत की निवेश दर की आवश्यकता होती है, जिसमें निजी क्षेत्र अग्रणी भूमिका निभाता है। लेकिन नए टैरिफ युद्धों से उपजे भू–राजनीतिक जोखिमों को देखते हुए यह चुनौतीपूर्ण लग रहा है, जो निजी खिलाड़ियों के निवेश निर्णयों को सतर्क कर सकता है, साथ ही परिवारों की बचत दर में गिरावट भी हो सकती है। सकल पूंजी निर्माण और जीडीपी के अनुपात से मापी गयी निवेश दर, वित्त वर्ष 2016–20 के दौरान कई कारणों से 29.9 प्रतिशत पर स्थिर रही थी, जैसे कि परियोजनाओं के कार्यान्वयन में आने वाली कठिनाइयां, बैंकों की उच्च गैर–निष्पादित संपत्तियाँ, कमजोर घरेलूध्बाहरी मांग आदि। महामारी के कारण यह वित्त वर्ष 2021 में 27.5 प्रतिशत के दो दशक के निचले स्तर पर आ गयी। हालांकि महामारी के बाद वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान निवेश में सुधार हुआ, लेकिन वित्त वर्ष 2024 में यह घटकर 32 प्रतिशत रह गया। क्षेत्रीय संरचना पर एक नजर डालने से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2024–25 में समग्र निवेश दर में मंदी सेवाओं और औद्योगिक क्षेत्रों के कारण थी। सेवा क्षेत्र में निवेश घटकर 19.3 प्रतिशत रह गया, जबकि औद्योगिक क्षेत्र में यह वित्त वर्ष 2024 में घटकर 10.1 प्रतिशत रह गया। इन क्षेत्रों में निवेश दर वित्त वर्ष 2024में घटकर क्रमशरू 3.1 प्रतिशत और 6.2 प्रतिशत रह गयी, जो वित्त वर्ष 2023 में क्रमशरू 4.3 प्रतिशत और 6. 7 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने परिवारों, सरकार, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र द्वारा सकल पूंजी निर्माण के लिए विस्तृत डेटा प्रदान किया है और वित्त वर्ष 2024 में निवेश में गिरावट निजी और घरेलू क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण हुई। यह ध्यान दिया जा सकता है कि निजी क्षेत्र की निवेश दर में गिरावट के बावजूद, वित्त वर्ष 2024 में परिवारों द्वारा निवेश में 12.8 प्रतिशत की कमी आई। दूसरी ओर, समग्र बचत दर,आज की कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में वित्त वर्ष 2024में 30.7 प्रतिशत पर स्थिर रही। सरकार को छोड़कर, परिवारों, निजी और सार्वजनिक क्षेत्र ने अपनी बचत दर में कमी देखी। वित्त वर्ष 2021 में 22.7 प्रतिशत के हालिया शिखर पर पहुंचने के बाद परिवारों की बचत दर में गिरावट का रुख रहा है और वित्त वर्ष 2024 में यह सात साल के निचले स्तर 18. 1 प्रतिशत पर आ गयी। घरेलू बचत के लिए एक और नकारात्मक कारक वित्तीय देनदारियों में वृद्धि है, जो वित्त वर्ष 24 में जीडीपी के 6.2 प्रतिशत के साथ 17 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी। अध्ययनों के अनुसार, यह अनुमान लगाया गया है कि यह गिरावट वित्त वर्ष 2025 में भी जारी रहने की संभावना है, जिसमें निजी क्षेत्र का निवेश संभावित रूप से जीडीपी के 11 प्रतिशत से नीचे गिर सकता है। वित्त वर्ष 25 के लिए समग्र निवेश दर भी घटकर 31.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जैसा कि वर्ष के लिए दूसरे अग्रिम अनुमानों से संकेत मिलता है। वित्त वर्ष 2024 में भारत में निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में गिरावट इस बात पर प्रकाश डालती है कि निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों के बीच कमजोर निवेश भावनाओं ने इस गिरावट में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन क्षेत्रों में सुस्त प्रदर्शन निजी क्षेत्र के निवेश को पुनर्जीवित करने में व्यापक चुनौतियों को दर्शाता है, जो सतत आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है। कारकों का संयोजन भारत की दीर्घकालिक आर्थिक महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए सभी क्षेत्रों में निवेश और बचत दरों को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता को रेखांकित करता है। यह ध्यान देने योग्य है कि भारत का विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जनवरी में 57.7 से फरवरी 2025 में 56.3 तक गिर गया, जो दिसंबर 2023 के बाद से सबसे धीमा विस्तार है। यह गिरावट उत्पादन और बिक्री में कमजोर वृद्धि के साथ–साथ इनपुट खरीद में 14 महीने के निचले स्तर तक मंदी के कारण हुई। निवेश में गिरावट पर विचार करने से पहले, यह विचार किया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2024–25 की अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछली तिमाही की 5.6 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। यह वृद्धि दूसरी तिमाही में सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आने के बाद हुई है, जो अनुमान से काफी कम है। यह वृद्धि मुख्य रूप से सरकार और उपभोक्ता खर्च में वृद्धि, खरीफ फसल उत्पादन में मजबूती और ग्रामीण मांग में सुधार के कारण हुई। हालांकि तथ्य यह सामने लाते हैं कि भारत में नब्बे प्रतिशत लोगों के पास विवेकाधीन खर्च करने की शक्ति नहीं है। ब्लूम वेंचर्स की इंडस वैली वार्षिक रिपोर्ट 2025 में कहा गया है कि भारत की शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी उपभोग और आर्थिक विकास का प्राथमिक चालक बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में यह श्उपभोक्ता वर्गश आकार में विस्तार नहीं कर रहा है, बल्कि और अधिक अमीर बन रहा है, जिसका अर्थ है कि अमीर और अधिक अमीर हो रहे हैं, जबकि कुल मिलाकर अमीर व्यक्तियों की संख्या स्थिर बनी हुई है, जैसा कि रिपोर्ट के बीबीसी विश्लेषण से पता चलता है।

एक बार फिर बॉलीवुड एक्ट्रेसेस के प्राईवेट वीडियो हुए लीक, सामने आए इन बड़ी हसीनाओं के नाम

बॉलीवुड में कई बार सेलेब्रिटीज के प्राइवेट और इंटीमेट वीडियो वायरल होने की खबरें सामने आती रही हैं। इनमें से कुछ वीडियो असली बताए जाते हैं, तो कुछ को फेक बताया जाता है। ऐसे मामलों में सेलेब्रिटीज को न सिर्फ शर्मिंदगी उठानी पड़ती है, बल्कि उन्हें सफाई भी देनी पड़ती है।

कैटरीना कैफ का मामला

कैटरीना कैफ भी इस तरह की अफवाहों का शिकार हो चुकी हैं। एक बार उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें दावा किया गया था कि वह कुछ लोगों के सामने कपड़े उतार रही हैं। हालांकि, कैटरीना ने इस वीडियो को झूठा बताते हुए इसे सिरे से खारिज कर दिया था।

मल्लिका शेरावत पर उठे थे सवाल

मल्लिका शेरावत के नाम से भी एक इंटीमेट वीडियो लीक होने की बात कही गई थी। हालांकि, एक्ट्रेस ने साफ कहा कि वीडियो में नजर आने वाली लड़की उनकी हमशक्ल हो सकती है, लेकिन वह खुद इसमें शामिल नहीं हैं।

करीना कपूर का लिपलॉक वीडियो

करीना कपूर और शाहिद कपूर का एक लिपलॉक वीडियो भी खूब चर्चा में रहा। यह वीडियो तब का था जब दोनों रिलेशनशिप में थे और एक रेस्टोरेंट में साथ समय बिता रहे थे। वीडियो वायरल होने के बाद इस पर खूब बातें हुईं, लेकिन बाद में यह मामला शांत हो गया।

सोहा अली खान का पार्लर वीडियो

सोहा अली खान का एक वीडियो भी लीक होने की खबरें आई थीं। यह वीडियो तब का था जब वह एक ब्यूटी पार्लर में वैक्सिंग करा रही थीं। इस तरह की प्राइवेट वीडियो के लीक होने से सेलेब्रिटीज की निजता पर सवाल उठते हैं।

मोना सिंह भी बनीं शिकार

टीवी और फिल्म एक्ट्रेस मोना सिंह का एक आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह बिना कपड़ों के नजर आ रही थीं। हालांकि, बाद में इस वीडियो को एडिटेड और फेक बताया गया।

राखी सावंत का विवादित वीडियो

राखी सावंत और मीका सिंह का एक वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। इसमें मीका सिंह ने बर्थडे पार्टी के दौरान राखी सावंत को जबरदस्ती किस कर लिया था। यह मामला काफी विवादित रहा और सुर्खियों में छाया रहा।

ईसाबेल कैफ का नाम भी आया सामने

कैटरीना कैफ की बहन ईसाबेल कैफ का भी एक वीडियो लीक होने की खबर आई थी, जिसमें उन्हें किसी शख्स के साथ इंटीमेट होते हुए दिखाया गया था। हालांकि, कैटरीना ने अपनी बहन का बचाव करते हुए इस वीडियो को झूठा करार दिया था।

फेक वीडियो का बढ़ता चलन

आजकल टेक्नोलॉजी के कारण फेक वीडियो के मामले बढ़ते जा रहे हैं। कई बार किसी भी सेलिब्रिटी के चेहरे को एडिट करके फर्जी वीडियो बनाए जाते हैं, जिससे उनकी छवि खराब होती है। ऐसे मामलों में सेलेब्रिटीज को मानसिक तनाव झेलना पड़ता है और उन्हें सफाई देने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

अभिषेक बच्चन ने बेटी के लिए बदली फिल्मों की च्वाइस, कहा– नहीं चाहता कि वो इंटीमेट सीन में देखे और असहज महसूस करे

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। हाल ही में, उनके और ऐश्वर्या राय के तलाक की अफवाहों ने खूब जोर पकड़ा था, लेकिन दोनों को कई इवेंट्स में एक साथ देखे जाने के बाद ये अटकलें शांत हो गईं। वहीं, दूसरी तरफ अभिषेक की मोस्ट अवेटेड फिल्म बी हैप्पी ओटीटी पर रिलीज हुई है, जिसमें बाप–बेटी के रिश्ते की एक दिलचस्प कहानी दिखाई गई है। इसी बीच हाल ही में एक्टर ने फिल्मों को लेकर अपनी पसंद और नापसंद के बारे में खुलकर बात की और बताया कि क्यों वह ज्यादा इंटीमेट सीन वाली फिल्में नहीं करना चाहते। अभिषेक बच्चन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा, अगर कोई सीन जरूरत से ज्यादा बोल्ड या इंटीमेट होता है, तो मैं उसमें सहज महसूस नहीं करता। मैं स्क्रीन पर गलती से भी ऐसी चीजें नहीं दिखाना चाहता हूं।ष उन्होंने यह भी कहा कि जब वह अकेले में बैठकर कोई शो देखते हैं और उसमें बहुत ज्यादा इंटीमेट सीन होते हैं, तो उन्हें अजीब लगता है। अभिषेक ने आगे कहा, जब से मैं बेटी का पिता बना हूं, मैंने फिल्में चुनने का तरीका बदल दिया है। अब मैं वही फिल्में चुनता हूं जिन्हें मैं अपनी बेटी के साथ बैठकर देख सकता हूं। अभिषेक ने यह भी साफ किया कि यह कोई नियम नहीं है, लेकिन वह नहीं चाहते कि उनकी बेटी उन्हें ऐसे इंटीमेट सीन में देखे और असहज महसूस करें। अभिषेक ने एक इंटरव्यू में कहा, पुरुष अक्सर अपनी भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाते। हम यह मानते हैं कि हमें अपनी जिम्मेदारियां चुपचाप निभानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा, एक पिता कभी भी मां की जगह नहीं ले सकता, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल भी नहीं होता है कि आप पिता की तमाम कोशिशों को अनदेखा कर दें।

कभी गांव की 'रोजा' तो कभी 'बेबी' के अफसर, आतंकियों को घुटने पर ले आए ये 'हीरोज'

साल 2023 के राजौरी हमले और 2024 के रियासी बस हमले में वांछित लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) का खतरनाक आतंकी अबू कताल पाकिस्तान में मारा गया। इंडस्ट्री में ऐसी कई फिल्में बन चुकी हैं, जिसमें कभी गांव की भोली सी रोजा आतंकियों से पति को आजाद करती है तो कभी देश के रियल हीरोज आतंकियों को घुटने पर ले आए। शानदार फिल्मों की लिस्ट काफी लंबी है। जम्मू–कश्मीर में कई घातक हमलों को अंजाम देने में अपनी भूमिका के कारण कताल या फैसल नदीम राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और भारतीय सेना सहित भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक प्रमुख लक्ष्य था। वह 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का करीबी था। फिल्म इंडस्ट्री में ऐसी कई फिल्में बन चुकी हैं। आइए उन फिल्मों पर डालते हैं एक नजर...

रोजा– शुरुआत करते हैं मणिरत्नम के निर्देशन में बनी फिल्म 'रोजा' से जो साल 1992 में रिलीज हुई फिल्म है। फिल्म के निर्देशन के साथ ही कहानी भी मणिरत्नम ने ही लिखा था। फिल्म में अरविंद स्वामी और मधू लीड रोल में हैं। तमिलनाडु के एक गांव की एक साधारण लड़की की कहानी है, जो जम्मू–कश्मीर में एक सीक्रेट मिशन के दौरान आतंकवादियों द्वारा अपने पति का अपहरण किए जाने के बाद उसे ढूंढने और बचाने के लिए निकलती है और उसमें सफल होती है। फिल्म के कई गाने 'रोजा जाने जा', 'उड़ने की आशा' आज भी लोगों की जुबान पर है।

मां तुझे सलाम– सनी देओल, तब्बू और अरबाज खान स्टारर फिल्म का निर्देशन टीनू वर्मा ने किया, जो साल 2002 में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी एक सैन्य अधिकारी की है, जो बॉर्डर पर स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आतंकियों के खतरनाक मंसूबों को नाकाम कर देता है।

ब्लैक फ्राइडे– साल 2004 में रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म 1993 के बॉम्बे बम धमाकों पर आधारित हुसैन जैदी की किताब ब्लैक फ्राइडे द ट्रू स्टोरी ऑफ द बॉम्बे बम ब्लास्ट पर बनी है, जिसे निर्देशित करने के साथ ही लिखा भी अनुराग कश्यप ने है। फिल्म में केके मेनन के साथ पवन मल्होत्रा समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

अ वेडनेस डे– नीरज पांडे की फिल्म 'अ वेडनेस डे' जो साल 2008 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह कुछ सुरक्षा अधिकारियों और एक गुमनाम कॉलर के बीच के टकराव को दिखाता है। फिल्म की कहानी को भी नीरज पांडे ने ही लिखा है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर, जिमी शेरगिल समेत कई मंझे हुए कलाकार हैं।

बेबी– नीरज पांडे के निर्देशन में बनी 'बेबी' साल 2015 में रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, अनुपम खेर, राणा दग्गूबाती, डैनी, तापसी पन्नू, केके मेनन, संजीव त्यागी समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी बेबी नाम के सीक्रेट मिशन पर आधारित है, जो भारत सरकार की है। फिल्म में आतंकियों को विदेश में पकड़ने और उन्हें भारत लाने के लिए हीरोज शानदार अंदाज में दिखते हैं।

60 उम्र में आमिर खान ने गर्लफ्रेंड बनाई, 18 महीने तक गौरी को छिपाकर रखा रिश्ता, बोले– मेरे घर...

इस समय बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्ट कहा जाने वाले आमिर खान काफी सुर्खियों में है। दरअसल, आमिर खान ने अपनी नई गर्लफ्रेंड गौरी को मीडिया से मिलवा चुके हैं। आमिर ने अपने बर्थडे पर उन्होंने मीडिया इंटरैक्शन रखा था। इस दौरान एक्टर ने अपने डेटिंग लेकर कुछ खुलासे किए। आमिर ने बताया कि गौरी से डेटिंग बीते 18 महीने शुरु हुई थी। वैसे तो यह खबर फरवरी में सामने आई थी कि आमिर खान के जीवन में किसी की एंट्री हो चुकी है। तब आमिर इस बात को छुपाकर रखा था। अब एक्टर ने बताया कि अपने छिपाने में कैसे कामयाब हुए।

आमिर छुपाया सच

जब आमिर खान से रीना दत्ता का तलाक हुआ तो उनके फैंस को काफी झटका लगा था। इसके बाद किरण राव से तलाक भी शॉकिंग था। एक्टर का तलाक किरण से साल 2021 में हुआ था। अब आमिर खान की जिंदगी में फिर से लेडी की एंट्री हुई है जिनका नाम गौरी स्प्रैट है। 13 मार्च को मुंबई के ताज होटल में आमिर ने जन्मदिन सेलिब्रेट किया और मीडिया इंटरैक्शन भी रखा। मीडिया से बातचीत के दौरान मजाक में कहा, देखा कुछ भी पता नहीं चलने दिया मैंने तुम लोगों को।

किस तरह से छिपाया रिश्ता

आमिर आगे बताया कि उन्होंने रिलेशनशिप कैसे छिपाया। बोले, श्मेरे घर पर फोकस कम है, आप लोग मिस कर देते हो।श आमिर ने बताया कि वह अपना रिश्ता कैसे छिपा पाए। वह बोले, एकतो वह बंगलुरु में रहती है या कुछ वक्त पहले तक वहां रही हैं। मैं उनसे मिलने के लिए खुद चला जाता था और वहां मीडिया की ताकझांक कम है। इसलिए भी लोगों का ध्यान नहीं दिया।

सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर सिकंदर के नए गाने सिकंदर नाचे का टीजर हुआ रिलीज

सलमान खान के दमदार डांस मूव्स और रश्मिका मंदाना के चार्म ने सिकंदर के लेटेस्ट गाने के टीजर में समा बांध दिया है। साजिद नाडियाडवाला की इस फिल्म को ए. आर. मुरुगादॉस ने डायरेक्ट किया है और ये इस साल की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है, जो ईद पर रिलीज हो रही है। एक्शन से भरपूर टीजर के बाद गानों ने एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। जोहरा जबीं और बम बम भोले. के बाद अब मेकर्स ने सिकंदर नाचे का टीजर रिलीज किया है। हर हफ्ते नए असैट्स के साथ मेकर्स फैंस की एक्साइटमेंट को और बढ़ा रहे हैं। ये गाना अपने कूल और स्वैग से भरे हुक स्टेप्स से स्टेज पर धमाल मचाने वाला है। इस गाने से सलमान खान, प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला और कोरियोग्राफर अहमद खान की जोड़ी किक के ब्लॉकबस्टर सॉन्ग जुम्मे की रात के बाद फिर से साथ आ रही है। इस रीयूनियन के साथ सिकंदर नाचे एक और चार्टबस्टर बनने के लिए तैयार है। ग्रैंड सेटअप और तुर्की से खास तौर पर आए डांसर्स की जबरदस्त भीड़ कल धमाका करने वाली है। सिकंदर का क्रेज अब पूरे शबाब पर है! इस ईद 2025 पर तैयार हो जाइए, क्योंकि सलमान खान बड़े पर्दे पर जबरदस्त कमबैक करने वाले हैं। उनके साथ रश्मिका मंदाना की जोड़ी इस सफर को और खास बनाएगी। साजिद नाडियाडवाला के बैनर तले और ए. आर. मुरुगादॉस के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म एक्शन का नया मतलब देने वाली है। धमाकेदार थ्रिल और जबरदस्त ट्विस्ट के साथ ये फिल्म पूरी तरह से मजेदार राइड होगी। काउंटडाउन शुरू हो चुका है, अब बस एक्साइटमेंट और बढ़ने वाली है!

अब सलमान को भी ढूंढ लेनी चाहिए...60 की उम्र में तीसरी बार प्यार में पड़े आमिर खान ने जिगरी यार के लिए कही ये बात

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। दरअसल, 60 साल की उम्र में आमिर तीसरी बार प्यार में पड़ गए हैं। दूसरी बीवी किरण राव से तलाक के बाद उनका गौरी स्प्रैट के साथ नाम जुड़ रहा है। हाल ही में अपने जन्मदिन पर उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड से सबको इंट्रोड्यूस भी कराया था। वहीं, अब तीसरी बार रिलेशनशिप की खबरों को लेकर सुर्खियां बटोर रहे आमिर ने सलमान खान की लव लाइफ पर बात की है। दरअसल, हाल ही में एक जर्नलिस्ट ने आमिर खान से सलमान की लव लाइफ को लेकर एक बड़ा सवाल किया। शाह रुख खान के पास एक गौरी है, आपके पास भी एक है, अब सलमान को भी... । जर्नलिस्ट के सवाल पर आमिर ने कहा, सलमान को भी गौरी ढूंढ लेनी चाहिए? इसके बाद आमिर ने कहा, सलमान क्या ढूंढेगा अब। इसी दौरान पैपराजी ने एक और सवाल किया कि क्या वह और शाह रुख सलमान को सेटल होने के लिए कोई टिप्स देते हैं? इस पर आमिर ने कहा, सलमान वही करेगा जो उसके लिए अच्छा होगा। मालूम हो कि आमिर ने अपनी गर्लफ्रेंड गौरी को सलमान और शाह रुख से भी मिलवा चुके हैं। इस बात का खुलासा खुद एक्टर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया। आमिर खान की गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट तलाकशुदा और एक बच्चे की मां हैं। एक्टर के मुताबिक, वह बेंगलुरु में रहती हैं और एक प्रोडक्शन हाउस में काम करती हैं। आमिर और गौरी एक–दूसरे को पिछले 25 सालों से जानते हैं, लेकिन उनका रिलेशनशिप डेढ़ साल पहले शुरू हुआ था। गौरी से पहले आमिर ने दो बार शादियां की थी। पहली पत्नी रीना दत्ता और दूसरी पत्नी किरण राव से, लेकिन दोनों के साथ एक्टर की शादी टिक नहीं पाई और तलाक हो गया था।

टमाटर और शहद के स्क्रब का करेंगे इस्तेमाल तो चेहरे की चमक रहेगी बरकरार, आप भी करें ट्राई

चेहरे की सुंदरता को बढ़ाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप फेस पर मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। आप घर में मौजूद चीजों से स्क्रब को बनाएं और इसको फेस पर अप्लाई करें। आज हम आपको एक ऐसे स्क्रब के बारे में बताने जा रहे हैं।

चेहरे की सुंदरता को बढ़ाना हम सभी लोगों को पसंद है। ऐसे में खूबसूरती बरकरार रखने के लिए कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल करते हैं, जिनको ट्राई करके आप अपने लुक और अधिक अच्छा बना सकते हैं। ऐसे में जरूरी नहीं है कि आप अपने फेस पर मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। आप घर में मौजूद चीजों से स्क्रब को बनाएं और इसको फेस पर अप्लाई करें। आज हम आपको एक ऐसे स्क्रब के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसकी मदद से आप चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

सामग्री

टमाटर– 1 कटा हुआ

चीनी– आधा चम्म

शहद– 1 चम्मच

ऐसे लगाएं

सबसे पहले अपने फेस को पानी से धो लें।

एक कटोरी में चीनी और शहद को मिक्स कर लें।

फिर टमाटर को अच्छे से स्लाइल करें।

अब इस मिश्रण को लगाकर अच्छे से स्क्रब करें।

इस स्क्रब को उस जगह पर ज्यादा लगाएं, जहां पर दाग–धब्बे या कालापन अधिक नजर आ रहा है।

इसको फेस पर 15 मिनट लगा रहने दें।

समय पूरा होने के बाद पानी से चेहरे को साफ करें।

इससे आपकी स्किन अधिक ग्लोइंग नजर आएगी।

स्क्रब करने के लाभ

इस स्क्रब को करने से फेस की डेड स्किन रिमूव हो जाती है।

इससे आपके चेहरे का कालापन दूर होगा।

फेस को हाइड्रेट रखने के लिए आप इस स्क्रॅब का इस्तेमाल कर सकती हैं।

इस स्क्रब में मौजूद टमाटर टैनिंग को कम करता है।

यह स्क्रब फेस को साफ करने में मदद करता है।

घर में झटपट से इफ्तार के लिए बनाएं शीर खुरमा, नोट करें शेफ कुनाल की आसान रेसिपी

रमज़ान इस्लामी चंद्र कैलेंडर का नौवां महीना है और इसे दुनिया भर के मुसलमानों के लिए सबसे पवित्र महीना माना जाता है। इस दौरान रोजे, इबादत, आत्म–चिंतन और समुदाय के लिए समय है। रोजे रखने के लिए सुबह से पहले सहरी खाकर पूर दिन रोजा रखा जाता है और शाम को रोजे को तोड़कर इफ्तार खाया जाता है। अगर आप भी रमज़ान में इफ्तार के लिए झटपट से बनने वाली रेसिपी की तलाश कर रहे हैं, तो कहीं न जाए यह लेख आपके लिए है। आइए आपको बताते हैं शीर खुरमा कैसे बनाएं।

शीर खुरमा बनाने के लिए सामग्री

– 3 चम्मच देसी घी

– 1 चम्मच चिरौंजी

– 1 चम्मच पिस्ता (कटा हुआ)

– 1 चम्मच अखरोट (कटा हुआ)

– 1 चम्मच बादाम (कटा हुआ)

– 5–7 खजूर या छुआरा

– 1 लीटर फुल–फैट दूध

– एक चुटकी केसर (वैकल्पिक)

– ½ चम्मच इलायची पाउडर

– ½ कप चीनी (लगभग)

– 40 ग्राम (एक मुट्ठी) गेहूं सेंवई (सेवइयां)

शीर खुरमा बनाने के लिए विधि

– शीर खुरमा बनाने के लिए एक पैन में 1) चम्मच घी डालें। चिरौंजी, पिस्ता, बादाम, अखरोट और खजूर छिड़कें।

– इन सभी चीजों को चलाते रहें और फिर इसके बाद दूध डालें, केसर, इलायची पाउडर और चीनी डालें।

– दूध को तब तक पकाएं जब तक वह आधा न रह जाए। इसमें थोड़ा समय लग सकता है इसलिए इसे चलाते रहें।

– एक अलग पैन में बचा हुआ घी गर्म करें और उसमें टूटी हुई सेमियां डालें।

– धीमी आंच पर कुछ मिनट तक चलाते रहें ताकि यह हल्का भूरा हो जाए। कम किया हुआ दूध सेमियां में डालें और 8–10 मिनट तक पकाएं। आंच से उतारें और गरम या ठंडा परोसें।

– याद रखें कि दूध को आंच से उतारते समय ही डालना है, क्योंकि ठंडा होने पर वह गाढ़ा हो जाएगा।

1 हफ्ते में चेहरे की झुर्रियां गायब करें, घी में बस ये 1 चीज मिलाकर लगाएं

चेहरे पर झुर्रियां एक आम प्रक्रिया है, जो उम्र बढ़ने के साथ आती है। लेकिन आजकल के तनावपूर्ण जीवन, प्रदूषण, खराब आहार और नींद की कमी के कारण झुर्रियां जल्दी नजर आने लगती हैं। हालांकि, कुछ घरेलू उपायों के जरिए आप इन झुर्रियों को कम कर सकते हैं और अपने चेहरे को फिर से जवान बना सकते हैं। एक प्रभावी घरेलू उपाय के बारे में हम यहां बात करेंगे, जिसमें आपको घी और एक खास सामग्री का इस्तेमाल करना है, जो 1 हफ्ते में झुर्रियां गायब करने में मदद कर सकता है। घी समय से पहले चेहरे पर नजर आने वाली झुर्रियां और फाइन लाइन को भी रोकने में मदद करती है। वहीं, आप इसमें 1 चुटकी हल्दी मिक्स कर लेते हैं, तो फिर यह झुर्रियों को 1 हफ्ते में कम कर सकती है।

क्यों असरदार है यह उपाय?

घी के फायदे

घी में विटामिन ई, एंटीऑक्सीडेंट्स और हेल्दी फैट्स होते हैं, जो त्वचा को नमी और पोषण प्रदान करते हैं। यह त्वचा को मुलायम और चिकना बनाता है, जिससे झुर्रियां कम होती हैं। घी में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, जिससे त्वचा नई और ताजगी से भरी लगती है।

हल्दी के फायदे

हल्दी में करक्यूमिन नामक तत्व होता है, जो त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को सुरक्षा प्रदान करते हैं। हल्दी का इस्तेमाल त्वचा को साफ करने और उसे निखारने के लिए भी किया जाता है। यह दाग–धब्बों को हल्का करने में मदद करता है और त्वचा को टोन करता है।

बनाने का तरीका

सबसे पहले एक साफ कटोरी में 1 चम्मच घी लें। अब इसमें 1 चुटकी हल्दी डालें। हल्दी में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो त्वचा की मरम्मत में मदद करते हैं और त्वचा को निखारते हैं। इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिला लें, ताकि घी और हल्दी का मिश्रण अच्छी तरह से हो जाए। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर अच्छे से लगाएं। खासकर उन हिस्सों पर ध्यान दें, जहां झुर्रियां ज्यादा दिखाई देती हैं, जैसे माथा, आंखों के नीचे, गाल, और होंठ के पास। इसे रातभर छोड़ दें, और सुबह चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

इस उपाय को कैसे करें असरदार?

समय का ध्यान रखें: इस मिश्रण को नियमित रूप से 1 हफ्ते तक हर रात लगाने से परिणाम दिखने शुरू हो जाते हैं। लेकिन इस प्रक्रिया को जारी रखने के लिए आपको धैर्य और नियमितता की आवश्यकता होगी।

आहार पर ध्यान दें: एक अच्छा आहार आपकी त्वचा की सेहत पर भी असर डालता है। ताजे फल, हरी सब्जियां और पर्याप्त पानी पीने से त्वचा में निखार आता है और झुर्रियां कम होती हैं।

नींद का महत्व: नींद लेने से शरीर और त्वचा को पूरा आराम मिलता है। यह झुर्रियों को कम करने में मदद करता है क्योंकि अच्छी नींद से त्वचा में सुधार होता है। झुर्रियां एक नेचुरल प्रक्रिया हैं, लेकिन आप कुछ घरेलू उपायों से इन्हें कम कर सकते हैं। घी और हल्दी का मिश्रण एक प्रभावी और सरल उपाय है, जो आपकी त्वचा को न केवल हाइड्रेट करता है, बल्कि झुर्रियों को भी कम करता है।

पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने के लिए बादाम तेल से बनाएं ये तीन सीरम

पिगमेंटेशन एक आम स्किन समस्या है, जो त्वचा पर काले धब्बे या असमान रंगत के रूप में दिखती है। यह सूरज की तेज किरणों, हार्मोनल बदलाव, तनाव या उम्र के साथ बढ़ सकती है। बादाम तेल एक नैचुरेल और असरदार उपाय है, जो पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है। इसमें विटामिन ई एंटीऑक्सिडेंट्स और मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड्स होते हैं, जो त्वचा को नमी प्रदान करने और त्वचा की रंगत को समान बनाने में मदद करते हैं। आज हम आपको बादाम तेल से बने तीन असरदार सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपकी त्वचा की पिगमेंटेशन को दूर कर सकते हैं।

बादाम तेल और नींबू का सीरम

सामग्री

2 चम्मच बादाम तेल

1 चम्मच नींबू का रस

विधि

एक बाउल में बादाम तेल और नींबू का रस डालें। इसे अच्छे से मिला लें और एक कटोरी में भरकर रख लें। इस मिश्रण को रात में सोने से पहले प्रभावित जगह पर लगाएं। नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट्स होते हैं, जो पिगमेंटेशन को हल्का करने में मदद करते हैं, जबकि बादाम तेल त्वचा को नमी देता है और उसकी रंगत को समान बनाता है। यह सीरम पिगमेंटेशन को धीरे–धीरे हल्का करता है। त्वचा को निखारने में मदद करता है।

बादाम तेल और गुलाब जल का सीरम

सामग्री

2 चम्मच बादाम तेल

1 चम्मच गुलाब जल

विधि

बादाम तेल और गुलाब जल को अच्छे से मिलाकर एक बोतल में भर लें। इसे चेहरे पर हल्के हाथों से लगाएं और मसाज करें। गुलाब जल में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो त्वचा को ठंडक और राहत देते हैं। साथ ही, बादाम तेल त्वचा के दाग–धब्बों को हल्का करता है। यह सीरम त्वचा को हाइड्रेट करता है और पिगमेंटेशन को कम करता है। त्वचा की सूजन और जलन को कम करने में मदद करता है।

बादाम तेल और शहद का सीरम

सामग्री

2 चम्मच बादाम तेल

1 चम्मच शहद

विधि

बादाम तेल और शहद को अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को प्रभावित जगह पर रात में सोने से पहले लगाएं। शहद त्वचा को पोषण देता है और दाग–धब्बों को हल्का करता है, जबकि बादाम तेल त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाता है। यह सीरम त्वचा को पोषण देता है और पिगमेंटेशन को दूर करता है। यह प्राकृतिक तरीके से त्वचा को निखारने में मदद करता है। पिगमेंटेशन को कम करने के लिए बादाम तेल से बने ये तीन सीरम बेहद प्रभावी हैं। इन सीरम्स का नियमित उपयोग करने से आपकी त्वचा में सुधार होगा और पिगमेंटेशन की समस्या कम हो जाएगी। हालांकि, परिणाम देखने में कुछ समय लग सकता है, लेकिन यह प्राकृतिक तरीके से त्वचा को निखारने और हल्का करने में मदद करते हैं।

शाम को बच्चों को बनाकर खिलाएं 'वन पॉट पास्ता', बार-बार खाने की करेंगे डिमांड

अधिकतर घरों में शाम के समय भूख लगने पर पास्ता, नूडल्स और माइक्रोनी खाना पसंद करते हैं। यह चीजें सिर्फ बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों को भी खूब पसंद आती है। वहीं ये चीजें झटपट बनकर तैयार हो जाती हैं। साथ ही इन चीजों को खाने से पेट भी काफी देर तक भरा महसूस होता है। ऐसे में अगर आपको पास्ता, नूडल्स और माइक्रोनी खाना पसंद है, तो आज हम आपके साथ कुछ यूनिक रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं। आज हम आपके साथ जो रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं, वह पास्ता की इटेलियन डिश है। जिसको आज के समय में हर कोई पसंद कर रहा है। हालांकि इस डिश को तैयार करने का तरीका थोड़ा अलग होता है, लेकिन अगर आप कुछ नया ट्राई करने की सोच रही हैं, तो आपको एक बार श्वन पॉट पास्ताश की रेसिपी जरूर ट्राई करनी चाहिए। यह यूनिक स्टाइल पास्ता रेसिपी आपको बहुत पसंद आएगी और इस डिश को बनाना भी बहुत आसान है।

सामग्री

पास्ता– 1 कप

ऑलिव आयल– 2 टेबलस्पून

लहसुन–1 टेबलस्पून

प्याज–1/4 कप

मशरूम– 200 ग्राम

काली मिर्च–आधा टेबलस्पून

नमक– स्वादानुसार

दूध–2 कप

चीज स्लाइस–2

बेबी टोमेटो–4–5

पालक–1 बंच

बेसिल के पत्ते–4–5

ऐसे बनाएं वन शॉट पास्ता

सबसे पहले एक गैस पर पैन रखें और उसमें ऑलिव ऑयल डालकर गर्म करें।

जब तेल गर्म हो जाए, तो उसमें प्याज और लहसुन डालकर हल्का ब्राउन होकर भूनें।

फिर इसमें मशरूम, दो कप पानी और दूध डालकर उबलने के लिए रख दें।

अब ऊपर से नमक और काली मिर्च डालें।

इसके बाद इसमें स्पैगटी पास्ता डालकर थोड़ी देर के लिए ढककर पकाएं।

फिर इसको खोलकर ऊपर से पालक, चेरी टोमेटो और बेसिल के पत्ते डालकर अच्छे से मिक्स करें।

इसको दोबारा ढककर 2–3 मिनट तक पकने दें।

जब यह पक जाए, तो इसको खोलकर ऊपर से स्लाइस चीज रखकर चलाएं और गर्मागर्म सर्व करें।

संक्षिप्त

'केवाईसी दस्तावेज़ के लिए ग्राहकों को बार-बार न परेशान करें',आरबीआई गवर्नर का बैंकों को सख्त संदेश

मुंबई। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों से कहा, वे ग्राहकों को 'अपने ग्राहक को जानो' (केवाईसी) दस्तावेज जमा करने के लिए बार-बार फोन न करें। आरबीआई लोकपालों के सालाना सम्मेलन में मल्होत्रा ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि एक बार ग्राहक की ओर से वित्तीय संस्थान को दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद उन्हीं कागजातों को फिर से प्राप्त करने पर जोर न दिया जाएगा।

आरबीआई गवर्नर ने इस बार पर जताया खेद

आरबीआई गवर्नर ने इस बात पर खेद जताया कि अधिकतर बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) ने अपनी शाखाओं या कार्यालयों को केंद्रीय डाटाबेस से जानकारी हासिल करने की सुविधा नहीं दी है। इससे ग्राहकों को असुविधा होती है। सबके हित को ध्यान में रखते हुए इसे जल्द ही सुगम बनाया जा सकता है। मल्होत्रा ने कहा कि बैंकों को उपभोक्ता सेवाओं में सुधार करने की जरूरत है और यह उनका कर्तव्य भी है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बैंक ग्राहक बार-बार केवाईसी जमा करने के अनुरोध के कारण सोशल मीडिया मंचों पर असुविधा की शिकायत कर रहे हैं।

ग्राहक शिकायतों को गलत तरीके से वर्गीकृत न करें बैंक

आरबीआई गवर्नर ने बैंकों को चेतावनी दी कि वे ग्राहकों की शिकायतों को गलत तरीके से वर्गीकृत न करें। ऐसा करना घोर नियामकीय उल्लंघन है। उन्होंने कहा, 2023-24 में में बैंकों को एक करोड़ ग्राहक शिकायतें मिली थीं। अगर अन्य विनियमित संस्थाओं के खिलाफ मिली शिकायतों को शामिल किया जाए तो यह संख्या और बढ़ जाएगी। इन शिकायतों में से 57 फीसदी के लिए आरबीआई लोकपाल के मध्यस्थता या हस्तक्षेप की आवश्यकता थी।

बैंकिंग शेयरों में खरीदारी से सेंसेक्स 900 अंकों से अधिक उछला, निफ्टी भी 22700 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के कारण मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स सूचकांक 900 अंक से अधिक उछलकर 75,000 अंक के स्तर को पार कर गया। पिछले दिन की तेजी को जारी रखते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सुबह के कारोबार में 901.43 अंक उछलकर 75,071.38 अंक पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी भी 265.9 अंक बढ़कर 22,774.65 अंक पर पर कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में जोमैटो, आईसीआईसीआई बैंक, एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टूब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, अडानी पोर्ट्स और हिंदुस्तान यूनिलीवर सर्वाधिक लाभ में रहे। हालांकि, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंडसइंड बैंक पिछड़ गए। वित्तीय सेवा फर्म बजाज फिनसर्व की ओर से अपने बीमा व्यवसायों बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में जर्मनी की आलियांज एसई के स्वामित्व वाली 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए शेयर खरीद समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद कंपनी के शेयरों में 2 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, ष्व्यापक संकेत यह है कि बाजार अपने निचले स्तर पर पहुंच चुका है, हालांकि आगे और सुधार की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता। वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.2: पर पहुंचना, आईआईपी में तेजी, सकल कर संग्रह में वृद्धि, व्यापार घाटे में कमी और सबसे महत्वपूर्ण रूप से खुदरा महंगाई दर में 3.6: तक की गिरावट ने बाजार को मजबूती दी है।

ईडी की जश्वर्ज सोरोस से जुड़े संगठन ओएसएफ के खिलाफ कार्रवाई, बंगलूरू में कई ठिकानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस समर्थित संगठन ओएसएफ (ओपन सोसाइटी फाउंडेशन) और उससे जुड़े निकायों के खिलाफ कार्रवाई की है। ईडी ने मंगलवार को बंगलूरू में ओएसएफ और उससे जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी फेमा कानून के उल्लंघन के आरोप में की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फेमा कानून के उल्लंघन करने के आरोप में ईडी ने ओएसएफ और कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों के परिसरों में छापेमारी की। ओएसएफ अमेरिका के अरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस द्वारा समर्थित संगठन है। आरोप है कि ओएसएफ ने कई संगठनों को फंडिंग की और इस फंडिंग के इस्तेमाल में फेमा कानून के दिशानिर्देशों का उल्लंघन हुआ। अभी तक ईडी की कार्रवाई पर ओएसएफ ने कोई बयान जारी नहीं किया है। हंगरी मूल के अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस और उनके संगठन ओएसएफ पर भारत के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप है। अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में भी जॉर्ज सोरोस की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। जॉर्ज सोरोस ने साल 1999 में ओएसएफ की शुरुआत की थी। सत्ता पक्ष के लोगों ने आरोप लगाया कि जॉर्ज सोरोस के सहयोग से कांग्रेस पार्टी देश को श्अस्थिर करनेश की कोशिश कर रही है। जॉर्ज सोरोस दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में एक हैं और 7.2 अरब डॉलर यानी 61 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक बताए जाते हैं। अमेरिकी अरबपति-परोपकारी जॉर्ज सोरोस पर आरोप लगाया जाता है कि वे राजनीति को आकार देने और सत्ता परिवर्तन के लिए अपने धन और प्रभाव का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने 2020 में राष्ट्रवाद के प्रसार से निपटने के लिए एक नए विश्वविद्यालय नेटवर्क को एक बिलियन डॉलर की आर्थिक मदद देने का एलान किया था।

खिताब बचाने की चुनौती के लिए तैयार हैं अजिंक्य रहाणे, बोले- केकेआर की कप्तानी करना सम्मान की बात

कोलकाता। गत चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के नवनियुक्त कप्तान अजिंक्य रहाणे का कहना है कि उनके लिए इस फ्रेंचाइजी की कमान संभालना सम्मान की बात है। केकेआर ने रहाणे को आईपीएल 2025 के लिए हुई मेगा नीलामी में 1.5 करोड़ रुपये में खरीदा था। रहाणे पहले भी इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं, लेकिन इस बार वह टीम की कमान संभालेंगे।

श्रेयस की कप्तानी में जीता था खिताब

केकेआर ने पिछले सीजन श्रेयस अय्यर की कप्तानी में आईपीएल का खिताब जीता था, लेकिन टीम ने उन्हें रिटेन नहीं किया था। श्रेयस इस सीजन पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे। आईपीएल 2025 की नीलामी के शुरुआती दौर में रहाणे के नाम पर किसी ने दिलचस्पी नहीं दिखाई, लेकिन इस अनुभवी भारतीय बल्लेबाज को आखिरकार उनके आधार मूल्य पर चुना गया। रहाणे छह साल बाद आईपीएल में किसी टीम की कप्तानी करेंगे।

कोच चंद्रकांत के साथ काम करने पर क्या बोले कप्तान?

कप्तान के तौर पर वापसी के बारे में पूछे जाने पर रहाणे ने कहा कि उनके लिए केकेआर जैसी सफल फ्रेंचाइजी की कमान संभालना सम्मान की बात है। उन्होंने इसके साथ ही कोच चंद्रकांत पंडित के साथ अपने संबंधों पर बात की। रहाणे ने कहा, इस शानदार फ्रेंचाइजी का कप्तान बनना मेरे लिए सम्मान की बात है और मुझे यह अवसर देने के लिए मैं टीम प्रबंधन का बहुत आभारी हूं। यह एक चुनौतीपूर्ण भूमिका है, आप जानते हैं, हमने पिछले साल चौंपियनशिप जीती थी। मेरे लिए यह हमेशा इसे सरल रखने के बारे में है। चंदू सर और मैं हमने साथ मिलकर काम किया जब चंद्रकांत सर मुंबई टीम के साथ थे और मैं उनके तरीकों को जानता हूं।वह बहुत अनुशासित हैं, बहुत केंद्रित हैं और वह जानते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति से सर्वश्रेष्ठ कैसे प्राप्त किया जा सकता है।

रहाणे बोले- खिताब का बचाव करना चुनौतीपूर्ण

रहाणे ने कहा कि खिताब का बचाव करना चुनौती होगी, लेकिन पूरी टीम इसके लिए तैयार है। रहाणे ने कहा, मेरे लिए यह हमेशा हमारे खिलाड़ियों के साथ अच्छा संवाद रखने, उन्हें मैदान पर खुद को अभिव्यक्त करने और एक-दूसरे को समझने की कोशिश करने की स्वतंत्रता देने के बारे में है। हमारे लिए खिताब का बचाव करना एक चुनौती होगी, लेकिन यही कारण है कि हम क्रिकेट खेलते हैं। हम इस खेल से प्यार करते हैं और जैसा कि मैंने बताया है कि इस अद्भुत फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है और हम निश्चित रूप से इस सीजन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। रहाणे ने 185 आईपीएल मैचों के अलावा भारत के लिए सभी प्रारूपों को मिलाकर 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। यह 36 साल का खिलाड़ी इस सत्र में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज था। उन्होंने 58.62 की शानदार औसत और 164 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाए, जिसमें पांच अर्धशतक शामिल थे। उनके योगदान से मुंबई ने खिताब जीता।

गुजरात टाइटंस को मिला नया मालिक, बीसीसीआई की मंजूरी के बाद हुई बड़ी डील

आईपीएल 2025 की शुरुआत होने वाली है और ये इसका 18वां सीजन होगा। इसका खुमार अभी से फैंस के सिर चढ़ कर बोल रहा है। 22 मार्च को लीग का पहला मुकाबला केकेआर और आरसीबी के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इसकी शुरुआत से पहले ही आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, एनर्जी सेक्टर की दिग्गज कंपनी द्वारा टीम में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की खबर है। एनर्जी सेक्टर से लेकर हेल्थ सर्विसेज समेत कई क्षेत्रों में काम करने वाले टोरेंट ग्रुप ने घोषणा करते हुए कहा है कि उसने इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस में 67 प्रतिशत की बहुमत हिस्सेदारी का अधिग्रहण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, इस डील के बाद कुछ मंजूरियां मिलने के बाद टोरेंट गुजरात टाइटंस में ये स्टेक इरेलिया कंपनी से हासिल कर लेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई की मंजूरी मिलने के बाद ये डील हुई है। वहीं टोरेंट और इरेलिया ने बीते महीने 12 फरवरी को इस संबंध में हुए करार पर साइन किए थे और अब आईपीएल 2025 की शुरुआत से ऐन पहले ये डील डन हो गई है। तमाम शर्तों के पूरा होने के बाद टोरेंट ग्रुप ने आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस का अधिग्रहण अब सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि इस फ्रेंचाइजी को मैनेज करने में टोरेंट की व्यापक स्पेशिएलिटी लाभ मिलेगा। टोरेंट ग्रुप देश के बड़े कारोबारी ग्रुप्स में एक है और इसका मार्केट कैपिटल करीब 2 लाख करोड़ रुपये, जबकि रेवेन्यू 41,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। ये कंपनी फार्मास्यूटिकल्स, एनर्जी प्रोडक्शन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन समेत अर्बन गैस डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में बड़ी प्लेयर है। ये भारत समेत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करीब 25 हजार से ज्यादा लोगों को

रोजगार दे रही है। गौरतलब है कि, गुजरात टाइटंस टीम की अगुवाई शुभमन गिल करेंगे। जबकि टीम के हेड कोच आशीष नेहरा हैं। जीटी ने अपने पहले सीजन में आईपीएल का खिताब अपने नाम किया था और दूसरे सीजन में उप-विजेता बनी थी।

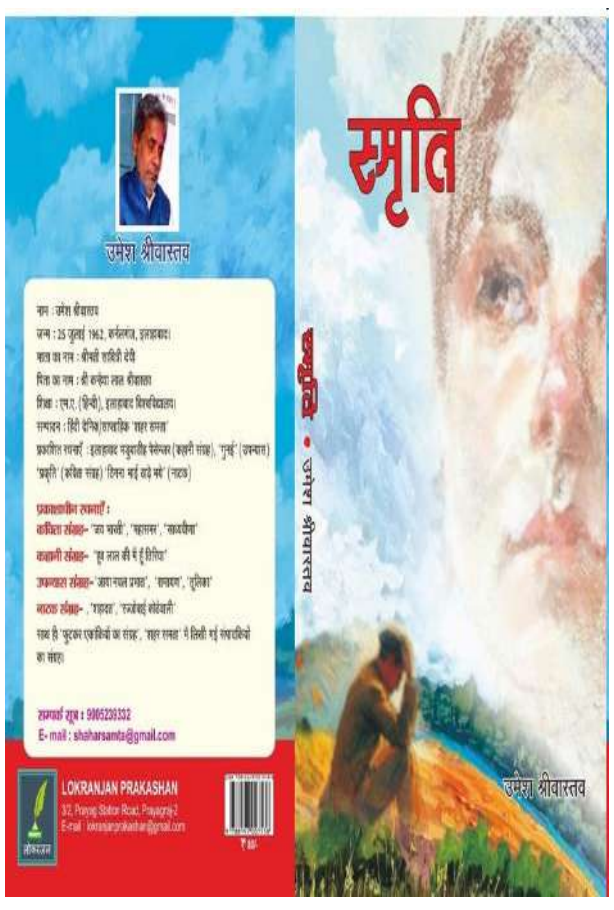

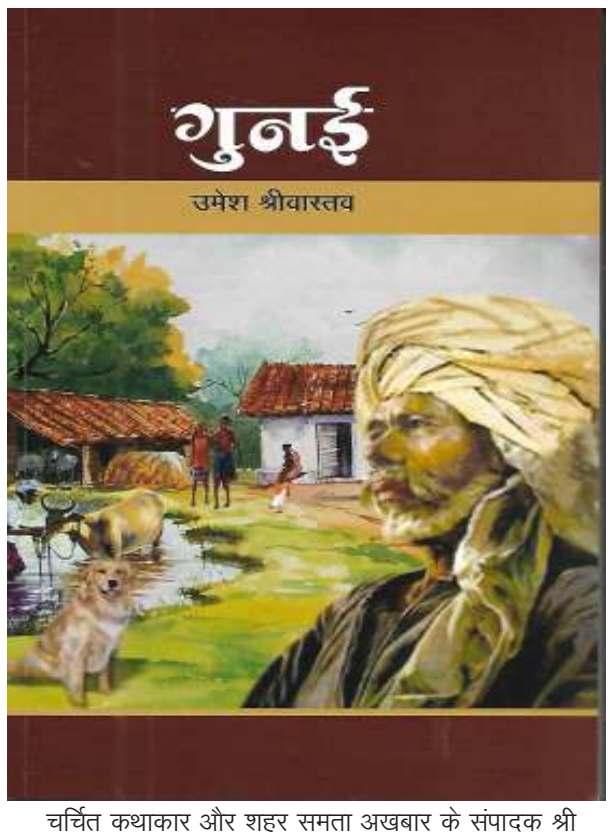

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

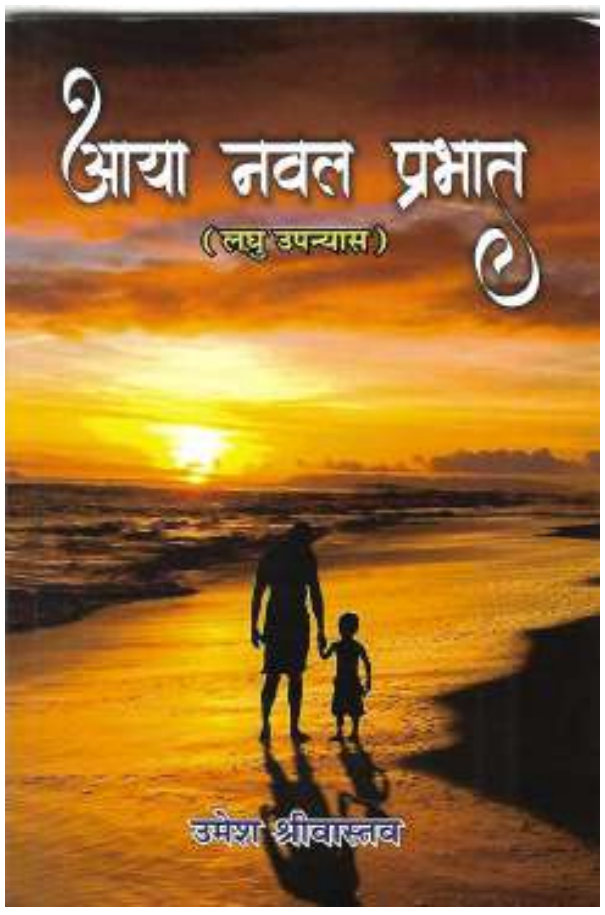

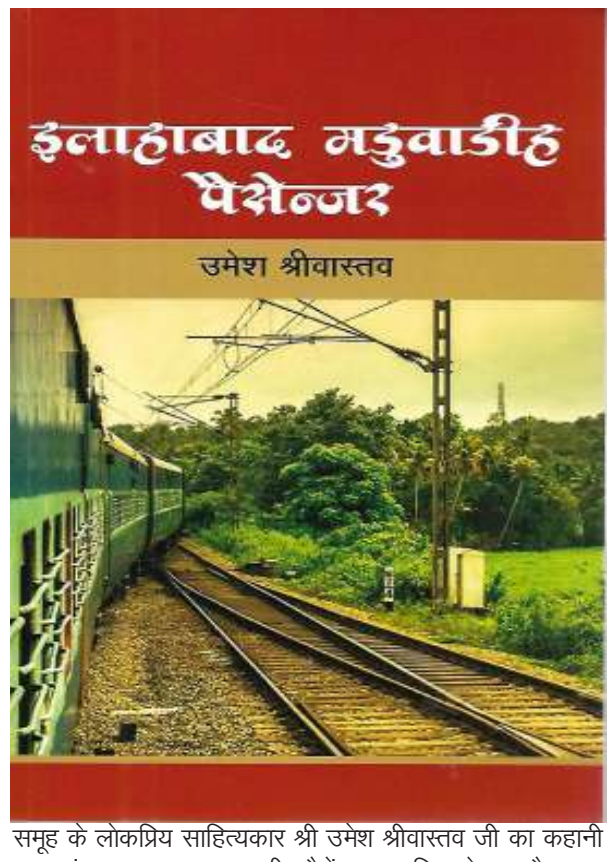

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

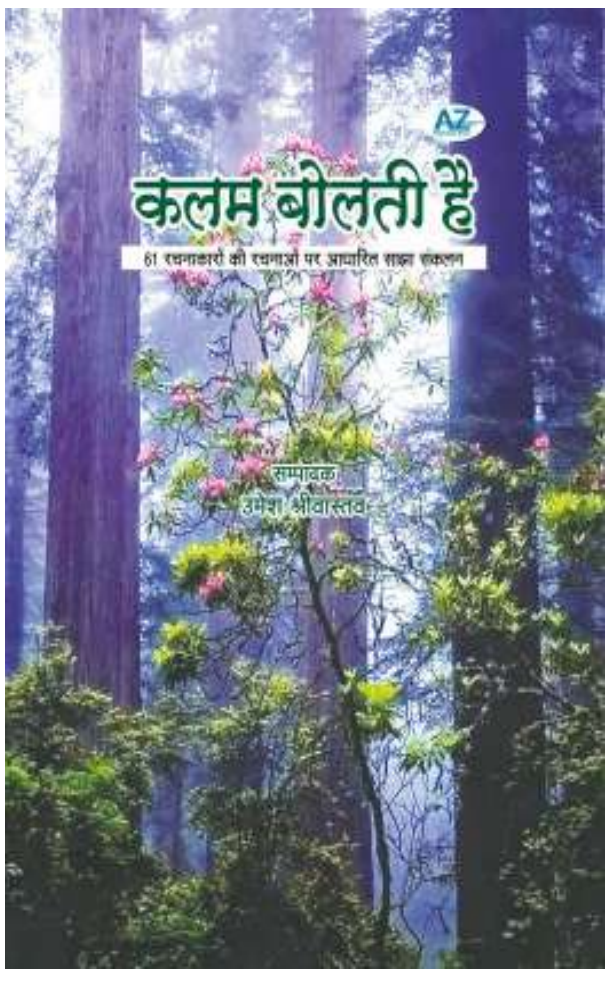

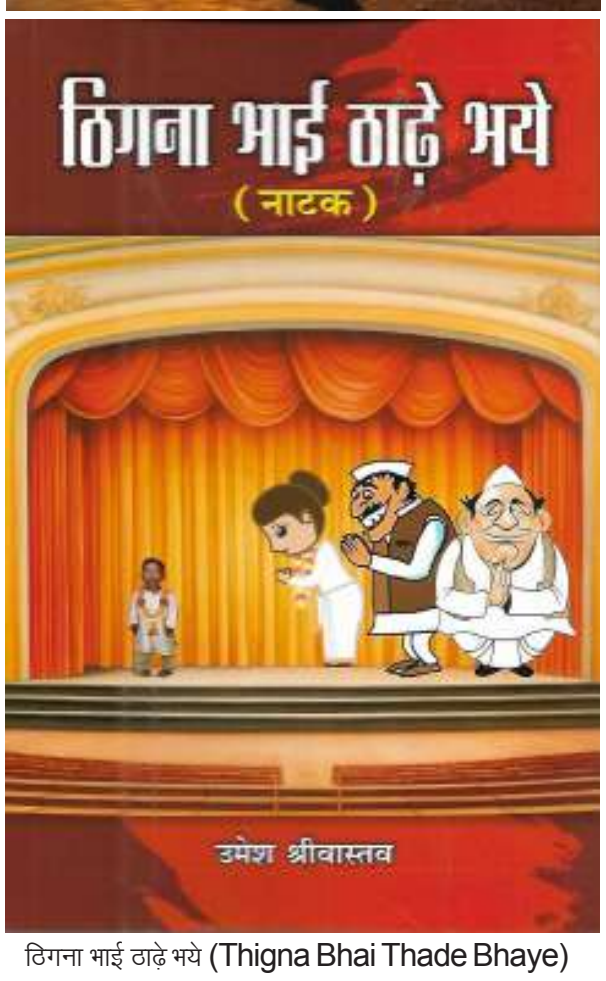

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

गाजा में युद्धविराम के बाद इस्राइल का सबसे बड़ा हवाई हमला, कम से कम 326 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस्राइल द्वारा आज सुबह किए गए हवाई हमलों में कम से कम 326 लोग मारे गए हैं। युद्धविराम के बाद गाजा में किया गया यह अब तक का सबसे बड़ा हमला है। जिसमें इतने लोगों की मौत हुई है। वहीं हमास ने चेतावनी दी है कि गाजा में इस्राइल के नए हमले युद्ध विराम का उल्लंघन हैं और यह बंधकों के जीवन को खतरे में डाल सकता है। इसके साथ ही इस्राइल ने लोगों से गाजा पट्टी खाली करने के लिए कहा है। फलस्तीनी अधिकारियों ने हमले में कम से कम 326 लोगों की मौत की जानकारी दी है। मध्य गाजा स्थित अल–अक्सा मार्टर अस्पताल आधारित मंत्रालय के प्रवक्ता खलील देगरान ने मंगलवार सुबह अद्यतन आंकड़े उपलब्ध कराए। कहा जा रहा है जनवरी में युद्धविराम के प्रभावी होने के बाद से यह गाजा में अब तक का सबसे भीषणतम हमला है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि युद्धविराम को बढ़ाने के लिए वार्ता में कोई खास प्रगति नहीं होने के कारण उन्होंने हमले का आदेश दिया। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, इजराइल अब सैन्य ताकत बढ़ाकर हमास के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

हमास ने युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का लगाया आरोप

इस्राइल ने इस हवाई हमले की वजह हमास द्वारा लगातार बंधकों की रिहाई से इनकार को बताया। इस्राइल ने हमास आतंकियों पर हवाई हमलों को अंजाम देने की बात कही। वहीं इस्राइल के हमले के बाद गाजा पट्टी में स्कूल बंद कर दिए गए। हमास ने इस्राइल पर युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया है। हमास ने बयान जारी कर कहा कि नेतन्याहू और उनकी कट्टरपंथी सरकार ने युद्धविराम समझौते का उल्लंघन किया है, जिससे बंधकों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा गए हैं। इस्राइल ने बुरेजी इलाके में शरणार्थी कैंपों पर हमले किए। विस्थापित फलस्तीनियों ने एक स्कूल में शरण ली हुई थी, उस स्कूल को भी निशाना बनाया गया। हमले से पहले इस्राइल ने गाजा में खाने, दवाई, ईंधन आदि की सप्लाई भी रोक दी है, जिससे गाजा में भुखमरी के हालात पैदा हो गए हैं। ये हमले ऐसे वक्त हुए हैं, जब इस्राइल और हमास के बीच दूसरे चरण के युद्धविराम समझौते पर बात हो रही हैं। हालांकि दोनों ही पक्ष एक दूसरे पर युद्धविराम समझौते के उल्लंघन का आरोप लगा रहे हैं। हमास के पास अभी भी 24 जीवित बंधक हैं और अनुमान है कि 35 अन्य बंधक मारे जा चुके हैं। हमास ने एक बयान में इजराइल की ओर से किए गए हमलों की निंदा की और कहा कि इन हमलों ने बंधकों के भविष्य को खतरे में डाल दिया है। हमास द्वारा बंधक बनाकर रखे गए लगभग 24 इस्राइली नागरिकों के भविष्य के बारे में इजराइल के हमलों के कारण संशय की स्थिति पैदा हो गई है जिनके बारे में माना जाता है कि वे अब भी जीवित हैं। वहीं, एक इस्राइली अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि इस्राइल हमास के उग्रवादियों, इसके नेताओं और बुनियादी ढांचों पर हमला कर रहा है तथा हवाई हमलों से परे अभियान को और बढ़ाने की योजना बना रहा है।

सीरिया और लेबनान में भी किए हमले

इस्राइल ने गाजा के साथ ही लेबनान और सीरिया में भी हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 10 लोगों के मारे जाने की रिपोर्ट्स हैं। सीरिया में दारा इलाके में रिहायशी क्षेत्र में हवाई हमले किए गए। लेबनान में भी इस्राइल ने दो हिजबुल्ला आतंकियों को मारने का दावा किया है।

इस्राइल ने हमले से पहले व्हाइट हाउस से ली थी सलाह

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि आज रात गाजा में किए गए हमलों को लेकर इस्राइल ने ट्रंप प्रशासन और व्हाइट हाउस से सलाह ली थी। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है, हमास, हूती, ईरान को अमेरिका और इस्राइल को आतंकित करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। सबकुछ तहस–नहस कर दिया जाएगा। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि अगर बंधकों को रिहा नहीं किया गया तो ''गाजा में और बुरी हालत होगी। उन्होंने कहा, हम तब तक लड़ाई नहीं रोकेंगे जब तक हमारे सभी बंधक घर नहीं पहुंच जाते। मिस्र और कतर के साथ मध्यस्थता प्रयासों का नेतृत्व कर रहे अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने पहले ही आगाह किया था कि हमास को जीवित बंधकों को तुरंत रिहा करना चाहिए ''या फिर भारी कीमत चुकानी होगी। नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा, इजराइल अब सैन्य ताकत बढ़ाकर हमास के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

संक्षिप्त

भगोड़े जाकिर नाइक ने पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ से की मुलाकात, सोशल मीडिया पर भड़के लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भगोड़े इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक ने पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ और उनकी बेटी और पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज से रायविंड स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात में विभिन्न मुद्दों पर बात हुई। हालांकि आधिकारिक तौर पर बैठक को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने भी पिछले हफ्ते जाकिर नाइक से मुलाकात की। हालांकि उनकी इस मुलाकात पर सोशल मीडिया यूजर्स भड़क गए हैं।

पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज आए यूजर्स के निशाने पर

मोहम्मद हफीज ने जाकिर नाइक के साथ मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की और लिखा कि श्जाकिर नाइक के साथ सुखद मुलाकातश। सोशल मीडिया यूजर्स मोहम्मद हफीज की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और लोगों ने हफीज के जाकिर नाइक से मिलने पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा कि श्यही वजह है कि भारतीय क्रिकेट टीम और भारत सरकार पाकिस्तान नहीं आना चाहती। एक अन्य यूजर ने लिखा कि और ये कहते हैं कि भारत, पाकिस्तान में नहीं खेलता। जब आप एक आतंकवादी का स्वागत करते हैं, तो क्या भारत, पाकिस्तान में खेलेगा?

भारतीय टीम के पाकिस्तान में नहीं खेलने के फैसले का यूजर्स ने किया समर्थन

आलोचना करने वाले अधिकतर यूजर भारतीय हैं। गौरतलब है कि जाकिर नाइक भारत में वांछित है और उस पर धन शोधन और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने का आरोप है। जाकिर नाइक के पाकिस्तान दौरे से आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी में भारत के पाकिस्तान में नहीं खेलने का मामला फिर से गरमा गया है। जाकिर नाइक ने बीते साल अक्तूबर में भी पाकिस्तान का दौरा किया था। उस समय भी जाकिर नाइक ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। उस समय जाकिर नाइक ने करीब एक महीना पाकिस्तान में बिताया और विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की थी।

डोनाल्ड ट्रंप ने बाइडन परिवार के वयस्क बच्चों के लिए सीक्रेट सर्विस सुरक्षा समाप्त की

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व डेमोक्रेट राष्ट्रपति जो बाइडन के वयस्क बच्चों को दी गई सीक्रेट सर्विस सुरक्षा तत्काल समाप्त कर दिया है। ट्रंप ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पूर्व राष्ट्रपति ने जनवरी में पद छोड़ने से ठीक

पहले अपने बच्चों के लिए सीक्रेट सर्विस सुरक्षा को जुलाई तक बढ़ा दिया था। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर आपत्ति जताई कि इस हफ्ते दक्षिण अफ्रीका में रहने के दौरान हंटर बाइडन की सुरक्षा के लिए 18 एजेंट तैनात किए गए थे। उन्होंने कहा कि एशले बिडेन की सुरक्षा के लिए 13 एजेंट तैनात किए गए हैं और उन्हें भी सुरक्षा प्राप्त लोगों की सूची से हटा दिया जाएगा। पूर्व राष्ट्रपतियों और उनके जीवनसाथियों को संघीय कानून के तहत आजीवन सीक्रेट सर्विस सुरक्षा प्राप्त होती है, लेकिन 16 वर्ष से अधिक आयु के उनके निकटतम परिवारजनों को दी जाने वाली सुरक्षा उनके पद छोड़ने के बाद समाप्त हो जाती है, हालांकि ट्रम्प और बाइडन दोनों ने पद छोड़ने से पहले अपने बच्चों के लिए यह सुरक्षा छह महीने के लिए बढ़ा दी थी।

न्यूयॉर्क में अनु, अंजुला, वेंडी व सीमा मोदी को सम्मान; महिला सशक्तिकरण को मिला नया मुकाम

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास और 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन' (एफआईए) ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर भारतीय मूल की चार प्रतिष्ठित महिलाओं को सम्मानित किया। इन महिलाओं को उनके विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बता दें कि समारोह में सम्मानित होने वाली महिलाओं में अनु आयंगर, अंजुला अचारिया, वेंडी डायमंड और सीमा मोदी शामिल थीं। इन महिलाओं ने सामाजिक, आर्थिक, वित्तीय और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और दोनों देशों में महिलाओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की गई है। सम्मानित महिलाओं में से अनु आयंगर, जो 'जे.पी. मॉर्गन' में सलाहकार और विलय एवं अधिग्रहण की वैश्विक प्रमुख हैं, उन्हें उनके पेशेवर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अंजुला अचारिया, जो 'ए–सीरीज मैनेजमेंट एंड इन्वेस्टमेंट्स' की सीईओ और संस्थापक हैं, को भी उनके काम के लिए सराहा गया। वेंडी डायमंड, जो 'एलडीपी वेंचर्स' की सीईओ और संस्थापक हैं, और 'विमेंस एंटरप्रेन्योरशिप डे ऑर्गेनाइजेशन' की संस्थापक भी सम्मानित होने वालों में शामिल थीं। इसके अलावा, सीमा मोदी, जो सीएनबीसी की पत्रकार और प्रस्तोता हैं, को भी इस सम्मान से नवाजा गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

सुनीता विलियम्स को लेकर धरती के लिए रवाना हुआ स्पेसएक्स का कैप्सूल, जानें कहां होगी लैंडिंग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में फंसे नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर स्पेसएक्स का कैप्सूल धरती के लिए रवाना हो गया है। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 3रू27 बजे धरती पर लौटेंगे। सुनीत विलियम्स समेत तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री आज सुबह आईएसएस से अनडॉक हो गए। अंतरिक्ष यात्रियों का ये सफर 17 घंटे का होने वाला है। वे फ्लोरिडा के तट पर उतरेंगे।

एक सप्ताह का सफर नौ महीने में बदला

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने पिछले साल 5 जून 2024 को नासा के मिशन के तहत बोइंग के अंतरिक्ष यान पर बैठकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरी थी। वे वहां सिर्फ एक सप्ताह रुकने वाले थे लेकिन अंतरिक्ष यान में तकनीकी खराबी आने की वजह से दोनों धरती पर वापस नहीं आ सके। दोनों के लिए 10 दिन का मिशन 9 महीने से अधिक के इंतजार में बदल गया। मिशन प्रबंधक 18 मार्च की शाम के लिए पूर्वानुमानित अनुकूल परिस्थितियों के आधार पर क्रू–9 की पहले वापसी के अवसर को लक्षित करने में जुट गए हैं। ड्रैगन क्राफ्ट पहले ही चार अंतरिक्ष यात्रियों को छोड़कर सुनीता और बुच को लेने आईएसएस पर पहुंच चुका है। इस बीच, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने उनके स्थान पर पहुंचे चारों नए अंतरिक्ष यात्रियों को मिशन से संबंधित जानकारियां साझा कीं और कई प्रमुख बातें सिखाईं। दोनों यात्री नौ माह पूर्व एक सप्ताह के लिए आईएसएस गए थे लेकिन उनका स्टारलाइनर यान खराब हो गया और वे वहीं फंसकर रह गए। अब उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स ड्रैगन का इस्तेमाल किया जा रहा है। नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रोस्कोस्मोस कॉस्मोनॉट अलेक्जेंडर गोर्बुनोव भी ड्रैगन कैप्सूल में वापस आएंगे। नासा से जुड़े स्टीव स्टिच ने कहा कि बुच और सुनीता ने शानदार काम किया है और हम उन्हें वापस लाने के लिए उत्साहित हैं।

1,148 डॉलर अतिरिक्त मुआवजा

नासा के सेवानिवृत्त अंतरिक्ष यात्री कैडी कोलमैन ने बताया है कि अंतरिक्ष यात्रियों के लिए कोई विशेष ओवरटाइम वेतन नहीं है। ऐसे में अंतरिक्ष यात्री संघीय कर्मचारी हैं, और इस स्थिति में अंतरिक्ष में उनके समय को पृथ्वी पर किसी भी नियमित कार्य यात्रा की तरह ही माना जाता है। अंतरिक्ष यात्री अपना नियमित वेतन पाते रहते हैं। नासा उनके भोजन व आईएसएस पर रहने के खर्च उठाता है। उन्हें प्रतिदिन 4 डॉलर (347 रुपये) दैनिक भत्ता मिलता है। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को अतिरिक्त मुआवजे के रूप में 1,148 डॉलर (लगभग 1 लाख रुपये) मिलने की संभावना है। हालांकि कोलमैन ने इसे सिर्फ एक अनुमान बताया।

जल्द ही वापस आ जाएंगे रू सुनीता

नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति आभार व्यक्त किया है। मस्क द्वारा एक्स पर पोस्ट एक वीडियो में सुनीता ने कहा, हम जल्द ही वापस आ रहे हैं, इसलिए मेरे बिना वे योजनाएं न बनाएं। हम जल्द ही वापस आ जाएंगे। बुच विलमोर ने कहा, हम सभी श्री मस्क के प्रति अत्यंत सम्मान रखते हैं और जाहिर तौर पर हमारे राष्ट्रपति ट्रंप के प्रति भी सम्मान और प्रशंसा रखते हुए हम उनकी सराहना करते हैं।

भारत का बड़ा एक्शन, म्यांमार बॉर्डर पूरी तरह सील, रो पड़ेगा बांग्लादेश

भारत सरकार ने म्यांमार को लेकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। अब म्यांमार बॉर्डर को पूरी तरह से सील किया जाएगा और फ्री मूवमेंट रिजीम यानी एफएमआर को खत्म कर दिया गया है। ये पहली बार हो रहा है जब भारत ने म्यांमार के साथ अपनी 1645 किलोमीटर लंबी सीमा को पूरी तरह बंद करने का फैसला

किया है। आपने हाल ही में जोलैंड नाम सुना होगा। ये भारत और म्यांमार के कुछ हिस्सों में रहने वाले कुकी समुदाय का सपना था। वो चाहते थे कि मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और म्यांमार के शंघाई क्षेत्र को मिलाकर एक अलग राज्य बनाया जाए। लेकिन भारत सरकार ने इस मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया है और अब म्यांमार बार्डर पर मजबूत सुरक्षा इंतजाम कर दिए गए हैं।

क्या है फ्री मूवमेंट रिजीम

अब तक भारत और म्यांमार के लोग 10 किलोमीटर तक बिना वीजा के आ जा सकते थे। लेकिन अब इस फैसले के बाद ऐसा संभव नहीं होगा। बॉर्डर पार करने के लिए एक तय गेट से गुजरना होगा और पूरी प्रक्रिया फॉलो करनी होगी। इस फैसले से सबसे ज्यादा असर नागा और कुकी जनजातियों पर पड़ेगा क्योंकि इसके रिश्तेदार म्यांमार में रहते हैं। यही वजह है कि वे इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन भारत सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ये बड़ा कदम उठाया है। यंग मिजो एसोसिएशन या सेंट्रल वाईएमए की केंद्रीय समिति ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भारत–म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और पड़ोसी देश के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था को हटाने के केंद्र के फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। 2011 की जनगणना के अनुसार, वाईएमए मिजोरम का सबसे बड़ा नागरिक समाज संगठन है, जिसके राज्य की लगभग 11 लाख की आबादी में से 4 लाख से अधिक सदस्य हैं। इस फैसले को लेने के पीछे कई बड़े कारण हैं। म्यांमार में 2021 से गृह युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। कई लोग भारत में शरण लेने आ रहे हैं। इससे मिजोरम और मणिपुर में तनाव बढ़ रहा है। भारत में नार्को टेररिज्म बढ़ रहा है। कई आतंकी संगठन ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के जरिए अपने नेटवर्क को मजबूत कर रहे हैं। मिजोरम 2021 में पड़ोसी देश के सैन्य अधिग्रहण के बाद से म्यांमार के चिन राज्य के लगभग 40,000 शरणार्थियों को आश्रय प्रदान कर रहा है, जो मिज़ो के साथ जातीय संबंध साझा करते हैं।

कश्मीर के दुश्मन...अमेरिका-ब्रिटेन का नाम लेकर इतना क्यों भड़क गए जयशंकर?

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रायसीना डॉयलाग के दूसरे दिन पाकिस्तान का बिना नाम लिए जमकर निशाना साधा। उन्होंने सबसे पहले पीओके का जिक्र किया और बताया कि कैसे कुछ बड़े देशों ने पाकिस्तान की ओर से किए गए आक्रमण को विवाद में बदल दिया। जयशंकर ने कहा कि हम सभी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की बात करते हैं। हम सभी इस बात पर सहमत हैं कि ये एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। ये वैश्विक नियमों का आधार है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी अन्य देश द्वारा सबसे लंबे समय तक चलने वाला अवैध मैं कहूंगा कि उपस्थिति किसी क्षेत्र पर कब्जा भारत से संबंधित है। डॉ. जयशंकर ने कहा कि हमने कश्मीर में जो देखा है। हम संयुक्त राष्ट्र तक गए। जो आक्रमण था उसे विवाद में बदल दिया गया। हमलावर और पीड़ित को बराबर रखा गया। एस जयशंकर ने सवाल उठाते हुए पूछा कि इसके दोषी कौन थे? ब्रिटेन, कनाडा, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका। एस जयशंकर ने माफी के साथ अपनी बात रखते हुए कहा कि उस पुराने आदेश पर मेरे पास कुछ सवाल हैं। अब, मैं आपको और भी बहुत कुछ बता सकता हूँ। आज हम राजनीतिक हस्तक्षेप की बात कर रहे हैं। जब पश्चिम दूसरे देशों में जाता है, तो जाहिर तौर पर यह लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की दृढ़ता के लिए होता है। जब दूसरे देश पश्चिम में आते हैं, तो ऐसा लगता है कि उनका इरादा बहुत ही बुरा है। एक मजबूत और निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र का आह्वान करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा इसलिए मुझे लगता है कि हमें एक व्यवस्था की आवश्यकता है, निष्पक्षता होनी चाहिए। हमें एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता है, लेकिन एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र के लिए एक निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता होती है। जब उनसे उनकी पिछली टिप्पणियों के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था, यदि आपके पास कोई व्यवस्था नहीं है, तो आप एक बहुत ही अराजक दुनिया को देख रहे हैं, तो जयशंकर ने जवाब दिया, देखिए, मुझे लगता है कि हमें एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आवश्यकता है, जैसे हमें एक घरेलू व्यवस्था की आवश्यकता है। जैसे आपको किसी देश में समाज की आवश्यकता होती है, वैसे ही आपको उसका एक

अंतरराष्ट्रीय संस्करण भी चाहिए और अगर कोई व्यवस्था नहीं होगी तो केवल बड़े देशों को ही लाभ नहीं होगा। मैं तर्क दूंगा कि कोई भी देश जो जोखिम उठाएगा, जो चरमपंथी रुख अपनाएगा, जो व्यवस्था का परीक्षण करेगा, वास्तव में अव्यवस्था का अपने लाभ के लिए उपयोग करेगा। मेरा मतलब है कि हमने अपने पड़ोस में देखा है। जोखिम भरा देश बनने के लिए आपको एक बड़े देश की आवश्यकता नहीं है। मेरे छोटे पड़ोसी हैं जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। इसलिए, सबसे पहले, हम सभी को एक व्यवस्था के महत्व को समझना चाहिए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।